टूटे हुए हौद

प्रभु, मैं विश्वास करता हूं, प्रभु, मैं विश्वास करता हूं,
सारी चीजें संभव है, प्रभु, मैं विश्वास करता हूं।

आइए एक क्षण के लिए खड़े रहें और अपने सिरों को झुकाएं।

2 प्रभु यीशु, हम नम्रता में होते हुए यत्न कर रहे हैं, इस गीत को गाने के द्वारा हम प्रगट कर रहे है कि हम विश्वास करते हैं। और प्रार्थना करते हैं, प्रभु, कि अब, आप निरन्तर हमारे लिए जीवन की रोटी तोड़ते रहेंगे, और हमें देते रहेगे कि जिसकी हमें आपके वचन में से होते हुए आवश्यकता है। क्योंकि हम यह यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

3 आप बैठ सकते है। मैं बहुत ही निश्चत हूं, यदि हमें चाहिए, यदि मैं कहूंगा कि अब सर्व प्रर्याप्त शब्द *आमीन* का है, जो कि परमेश्वर की भव्य आशीष अब भी सभा के लोगों पर ठहरेगी।

4 इस प्रात: मैंने बैठ कर और सभा को ध्यान से सुना, और गवाहियों का आनंद लिया, और विभिन्न प्रकार से प्रत्येक अपने को प्रगट कर रहा था। और नए लोगो को सुना, एक बैपटिस्ट भाई यहां अपने थोड़े से गलत विचारो की क्षमा मांगने आया। इसलिए मैं—मैं निश्चय ही मानवता की भी सराहना करता हूं, कि कोई तो है जिसमें मानवता है, या—या इतना सज्जन पुरुष भी, यदि वह सोचता है कि उसने गलती की है। सही में उसने मुझसे क्षमा नहीं मांगी, यह मैं नहीं था जिससे उसने क्षमा मांगी, यह परमेश्वर था। इसलिए मैं—मैं इसकी सराहना करता हूं, देखिये। परमेश्वर हमारे भाई को आशीष दे, और उसके सुसमाचार सुनाने वाले भाई को।

5 ओह, वह बैपटिस्ट, आप जानते हैं, मैं स्वयं भी बैपटिस्ट कलीसिया से था। मैं मिशनरी बैपटिस्ट कलीसिया का सदस्य था। जब मैं लोगों के बीच आया, मैं जानता हूं आप कैसा अनुभव करते हैं। मुझे भी उसी प्रकार का अनुभव हुआ, किसी चीज से भरा हुआ जिसे मैं—मैं नहीं जान पाया।

6 मुझे याद है पेंटीकोस्टलो को देखने का मेरा पहला अनुभव, यह डोवागियाक, मिशिगन में था... मुझे क्षमा करे, मैं डोवागियाक में मछली पकड़ने की यात्रा में था, और मैं डोवागियाक से होकर नीचे इंडियाना में जा रहा था। और इसलिए मैंने "यीशु" के नाम को सारी कारों और चीजों

पर देखा, और उस दिन मैंने उनकी सभाओं को सुना। और अगले दिन उन्होंने मुझे प्रचार मंच पर आने को कहा, कि कुछ शब्द बोलू, और मैंने किया। और मैं... उन्होंने मुझसे पूछा तुम कौन सी कलीसिया से हो, और मैंने उन्हें बताया कि मैं बैपटिस्ट हूं।

7 और उस रात्री एक बूढ़ा अश्वेत व्यक्ति प्रचार करने वाला था, और वह अपनी आयू के अस्सी के दशक में था, और निकल कर प्रचार मंच पर आया। एक बूढ़ा व्यक्ति, वे उसकी अगुवाई सी कर रहे थे। उसने वह सेवकाई वाला लम्बा सा कोट पहना हुआ था, मखमल का कॉलर, और किनारे–किनारे सफेद बाल चारो तरफ। और मैंने सोचा, "ये सारे व्यक्ति यहाँ और धर्मज्ञानी, बड़े व्यक्ति, कैसे इन लोगो ने यह सभा इस प्रकार के मनुष्य को दे दी? इस बूढ़े को तो यहां कहीं कुर्सी पर होना चाहिए, बैठे हुए।"

8 उस दिन वे इस बात पर प्रचार कर रहे थे कि यीशु ने यहाँ इस पृथ्वी पर क्या किया। और, वह आया, और अपना विषय लिया, मैं विश्वास करता हूं कि यह अय्यूब: 7, 20 से था, मुझे पक्का नहीं है कि वही वचन था। जो भी है, इसी का उल्लेख था, या इसी का कोई भाग, "तू तब कहां था जब मैंने पृथ्वी की नीव डाली, जब भोर के तारे एक साथ गाया करते थे, और परमेश्वर के पुत्र आनन्द से चिल्लाते थे? " स्वर्ग में जो हुआ इस पर उसने बोला, जब कि वे इस पर बोल रहे थे जो पृथ्वी पर चला रहा था।

9 और कहीं, लगभग पांच मिनटो के बाद वह बोल रहा था, कि, प्रभु के आत्मा ने उस पर प्रभाव डाला, और जोर से ऊपर उछला और हवा में अपनी एडियो को मार कर आवाज की। ओह, वहां इतना स्थान था, और यह प्रचार मंच उसका आधा है; और वह आगे बढ गया, बोला, "तुम्हारे पास मेरे प्रचार करने के लिए पर्याप्त स्थान नहीं है।"

10 भाई, तब मैं लगभग बीस वर्ष का था। मैंने सोचा, "यदि—यदि इस बूढ़े पुरुष के लिए यह ऐसा करता है, तो मेरे लिए यह क्या करेगा? " देखा?

11 हमारे इन नए भाइयों के पक्ष में हर चीज व्यवस्थित रखी हुई है, कि हम निश्चय ही उनका अपनी संगती में स्वागत करते हैं। मैं देखता हूं, मैं विश्वास करता हूं कि उन्होंने इस बात का उल्लेख किया है, कि याजक यहां बैठे हुए है, मैं सोचता हूं; निसन्देह, आयरिश होने के कारण, मेरे लोग रोमन कैथोलिक हैं। और वहां थोड़े और, बैपटिस्ट और विभिन्न लोग है। आप

थोड़े से भ्रमित हो सकता है, थोड़ी देर पहले। मैंने ध्यान दिया कि कोई भी भाई लोग इस विषय में नहीं बोले, परन्तु मैंने सोचा कि मैं इसे स्पष्ट करने का यत्न करूंगा। जब भाई शेकरियन... अच्छे वक्ताओं के पश्चात यहाँ आनंद से भर गये, यह जानते हुए कि प्रभु का आगमन बहुत ही निकट है, उसने—उसने यह अन्य भाषाओं में बोला, हमारे लिए। और हमारे पास अनुवादक हैं जिसने इसका अनुवाद दिया हैं। जो, वचन कहता है, "यदि कोई अनुवादक ना हो, तो बोलने वाला अपनी शान्त को बनाते रखे।" परन्तु यदि—यदि वे अन्य भाषाओं में बोलते हैं और फिर इसका अनुवाद करते हैं, तो यह भविष्यवाणी हो जाती है। इसलिए थोड़ा सा गडबड कि—कि उनमें से दो, एक समय में। अब, यह कोई छोटी गडबडी नही थी, देखिए; क्योंकि, उनमें से एक अनुवाद को दे रहा था, दूसरा वाला भविष्यवाणी कर रहा था। समझे? इसलिए यह...

12 मैंने सोचा मैं चाहूंगा कि मेरे भाई समझ जाये, यदि उन्होंने यह नहीं समझा है, क्योंकि उनमें से एक ठीक–ठीक दे रहा था... क्या आपने उनकी समय सीमा पर ध्यान दिया? और दूसरा वाला इतना भरा हुआ था, स्वयं, कि परमेश्वर का आत्मा एक के द्वारा भविष्यवाणी कर रहा था; अनुवाद, दूसरा वाला अनुवाद कर रहा था। ताकि यह स्पष्ट हो सके, कि आप... हम नहीं... कभी–कभी, स्वाभाविक विचार... जैसा कि हमारा मूल्यवान भाई जिसने इस सुबह क्षमा मांगी। यह उस व्यक्ति के लिए थोड़ा भ्रमित है जो यह नहीं समझता। परन्तु वे जिन्हें युद्ध का अनुभव है, जिसमें कि हम हैं, क्यों, हम इसे समझते हैं, कि ये चीजे क्या हैं। इसलिए मैंने सोचा कि मैं इस विषय में कुछ कहूंगा, यदि यह ठीक था।

13 अब, मैं—मैं जानता हूं कि यह बात कहने के लिए यह स्थान नहीं है। इसके होने से हर कोई इन छोटी–छोटी बातों को कह रहा है, मैं... आप जानते हैं, कि उस व्यक्ति ने कहा, उस बूढ़े अश्वेत मनुष्य ने कहा, "प्रचार करने के लिए तुम्हारे पास पर्याप्त स्थान नहीं है।" तुम्हारे पास मेरे लिए पर्याप्त *समय* नहीं कि प्रचार करूं। [सभा शोर करती है—सम्पा।] बल्कि लम्बा चौड़ा।

14 एक आदमी ने एक दिन कहा, "एक सेवक आया, वह एक कलीसिया में बीस वर्षों से पास्टर था। और वह ठीक सदा तीस मिनट प्रचार करता था हर रविवार प्रात: अपनी कलीसिया में।" और उसने कहा, "इस रविवार

प्रात:, उसने तीन घंटे प्रचार किया।"

15 और इसलिए डिकन की सभा ने उसे अंदर बुलाया, और कहा, "पास्टर, हम वास्तव में आपकी सराहना करते हैं।" कहा, "हम हमेशा इस बात को जानते हैं कि—कि आप सदा बाईबल और उसके अधिकारों के लिए खड़े रहते हैं।" और फिर कहा, "और आप सदा हमें सुधारते हैं ताकि हम अपने आप विशुद्ध और स्वच्छ परमेश्वर के समीप अनुभव कर सके। और हम वास्तव में आपकी सराहना करते हैं, और हम विश्वास करते हैं कि आप परमेश्वर के दास हैं। और हम निश्चय ही आज प्रात: के संदेश के लिए सराहना करते है। परन्तु," कहा, "केवल एक बात हम आपसे पूछना चाहते हैं।" कहा, "एक डिकन बोर्ड के नाते हमने आपको समय दिया है।" कहा, "हर रविवार प्रात: आप ठीक तीस मिनट लेते हैं, और आज आपने तीन घंटे लिए।" कहा, "अब, याद रखें, हम इसके हर एक बिन्दू की सराहना करते हैं। यह ठीक था।" बूढ़े व्यक्ति को अच्छा महसूस कराना, आप जानते हैं।

16 उसने कहा, "ठीक है, भाईयों मैं आप लोगो को बताता हूं कि यह कैसे है।" बोला, "हर प्रात: जब मैं आता हूं... मुझे जब प्रचार मंच पर बुलाया जाता है," कहा, "मैं अपने मुंह में छोटी जीवन रक्षक गोली रखता हूं," उसने कहा, "और मैं बस उसे चूसता रहता हूं।" और कहा, "जब वह गोली समाप्त हो जाती है," कहा, "और यह बस तीस मिनट लेती हैं," और कहा, "फिर मैं प्रचार बन्द कर देता हूं।" उसने कहा, "आप दखिए, इस प्रात:, मैंने सोचा कि मैं अधिक समय ले रहा हूं। मैंने उस गोली को थूक दिया, असल में मेरे मुंह में एक बटन था।"

17 अब मैं मुंह में कुछ भी नहीं रखूंगा, इसलिए मैं आशा करता हूं कि हमारी जेब में कोई बटन नहीं है। परन्तु हम... मैं आशा करता हूं कि यह यहां धर्म विरोधी नहीं लगता। परन्तु मैं थोड़ा सा... आप जानते हैं, यहाँ तक परमेश्वर में हास्य वृत्ति की चेतना है, आप जानते हैं।

18 इसलिए हम यहां होने के लिए बहुत धन्यवादित हैं और संगती का यह समय, और—और इस शानदार सौभाग्य के लिए कि जीवन की रोटी को एक बार फिर से तोडे, अपने इस साधारण तरीके से। मैं जानता हूं, जैसा कि धर्मज्ञानी, जैसा कि उस व्यक्ति ने बीती रात्री कहा जो इंग्लैंड से था; ओह, ऐसे व्यक्ति के पीछे जाना अच्छा नही लगता, जो अपनी सातवीं कक्षा

की शिक्षा के साथ है। परन्तु मैं आशा करता हूं कि परमेश्वर आपको इस बात का मतलब बता देगा जो मेरे ह्रदय में है। समझे? मेरे शब्द सही नहीं हैं, मेरा अभिप्राय, मैं—मैं विश्वास करता हूं।

19 आइए अब वचन में से पढ़ें। आप में से बहुत से साथ–साथ पढना चाहते हैं। और कुछ क्षण के लिए मैं इस प्रात: पढ़ना चाहता हूं, भविष्यव्यक्ता यर्मयाह की पुस्तक से, 2रा अध्याय, और मैं अब पहले पद से आरंभ करने जा रहा हूं।

और यहोवा का यह वचन मेरे पास *पहुंचा, कहते हुए,*

जा और यरूशलेम में पुकार कर यह सुना दे, यहोवा यों कहता है; तेरी जवानी का स्नेह और *तेरे विवाह के समय का* प्रेम *मुझे स्मरण आता है, कि तू कैसे जंगल में मेरे पीछे–पीछे चली, और* जहां *भूमी जोती बोई ना गयी थी।*

इस्राएल यहोवा के लिये पवित्र, और उसकी पहली उपज थी: उसे खाने वाले सब दोषी ठहरेंगे... और *विपत्ती में पड़ेगे; यहोवा की यही वाणी है।*

हे याकूब के घराने, हे इस्राईल के घराने के कुलों के लोगो, यहोवा का वचन सुनो:

यहोवा यों कहता है, तुम्हारे पुरखाओ ने मुझ में कौन सा ऐसी कुटिलता पाई, कि मुझ से दूर हट गए, *और निकम्मी वस्तुओं के पीछे होकर, और स्वयं निकम्मे हो गए?*

उन्होंने इतना भी ना कहा, जो हमें मिस्र देश से निकाल लाया, जो हमे जंगल में से और, *रेगिस्तान और गडहो से भरे हुए, निर्जल और मृत्यु के घोर अंधकार के,* उस *देश से जिसमे होकर कोई नहीं चलता, और... जिसमे कोई मनुष्य नहीं* रहता?

और हमें निकाल ले आया वह यहोवा कहाँ है, और मैं तुमको उस उपजाऊ देश में ले आया कि उसका फल और उत्तम उपज खाओ; परन्तु मेरे इस देश में आकर, तुमने *इसे अशुद्ध किया, और* मेरे *इस भाग को घृणित कर दिया है।*

और *याजको ने भी नहीं पूछा, यहोवा कहां है?* जो व्यवस्था सिखाते थे *वे भी मुझे को न जानते थे:* और *चरवाहों ने भी मुझ*

से बलवा किया, और भविष्यद्वक्ताओं ने बाल देवता के नाम से भविष्यवाणी की, और निष्फल बातों के पीछे–पीछे चले।

इस कारण *यहोवा यह कहता है,* मैं... *फिर तुम से विवाद, और तुम्हारे बेटे और पोतो से भी प्रश्न करूंगा।*

क्योंकि... इस *चित्तीम के द्वीपों में पार जाकर देखो; या केदार* में, *दूत भेज कर भली भांति विचार करो और देखो* कि, *ऐसा काम कही और भी हुआ है।*

क्या *किसी जाति ने अपने देवताओं को बदल दिया, जो... परमेश्वर भी नहीं हैं? परन्तु मेरी प्रजा ने अपनी महिमा को निकम्मी वस्तू से बदल दिया है, उसके लिए जो लाभ नहीं* करता है।

हे आकाश, तू *चकित हो, बहुत ही थरथरा और* सूनसान हो *जा,... उजाड़ हो जा, प्रभु की यह वाणी है।*

क्योंकि मेरी प्रजा ने दो बुराइयां की हैं; उन्होंने मुझ बहते जल के सोते को त्याग दिया है, और उन्होंने हौद बना लिए, *वरन ऐसे हौद जो टूट गए है, और जिनमें जल नहीं रह सकता।*

20 उसके वचन पर पढ़े जाने के लिए प्रभु अपनी आशीषे दे। और मैं इस विषय को—को लेना चाहूंगा, *टूटे हुए हौद।*

21 हम इस वचन को इस सुबह पढ़ रहे थे; जो कि सारा का सारा प्रेरणा द्वारा दिया गया है। और हम प्रभु के घर में सुधार के लिए और समझ के लिए आते हैं। और कभी–कभी हम... कोई छोटी चीज रास्ते में आती है।

22 इस सैनिक व्यक्ति के समान, थोड़ी देर पहले, हमसे कुछ खास बातों पर बाते कर रहा था, जो कि किसी दूसरे देश की खास मिसाईल के विषय में थी, या—या कुछ इसी विचार पर, और हमें इसे रोकने के लिए सैन्य रणनीति में—में कुछ तो खोजना होगा।

23 ठीक, यही चीज कलीसिया में जाती है, उस जगह को नष्ट करे जहां कोई व्यक्ति प्रचार कर रहा है, या यदि वह बाहर सुसमाचारक फैला रहा है। जब वह उठते हुए देखता है, कुछ–कुछ ऐसा जो आरंभ हो रहा है, यह छोटे रूप में है, या यह जो भी है; यह वह व्यक्ति है, यदि वह परमेश्वर का दास है, कि उन चीजो को लोगों के मस्तिष्क में जाने से रोके जो उन्हें

इससे अलग रखे। और हम यह नहीं होने देना चाहते है, हमारे लिए कि हम ऐसे स्थान में पहुंचे।

24 अब, यिर्मयाह के समय में यहाँ, जब उसकी भविष्यवाणी, यह यशायाह—यशायाह की—की मृत्यु के साठ वर्ष के बाद था। और वे बिना बड़े भविष्यवक्ता के लगभग साठ वर्ष रहे थे। वहां हबक्कूक और थोड़े छोटे भविष्यवक्ता हुए, परन्तु यशायाह अंतिम बड़ा भविष्यवक्ता हुआ था। और लोगों के पास, उस समय ऐसा कोई नही था, जो उन्हें उनके भटकाव से वापस बुलाता। वे फिर से उसी स्थिति में थे। फिर भी, वे परमेश्वर के लोग थे अब वे उसी स्थिति में थे जिसमें—उन्हें हम इसमें पाते है, जैसा कि यिर्मयाह उनके पास भविष्यवाणी के साथ आता है। और यिर्मयाह भी... उसने देश निकाला से पहले भविष्यवाणी की, और वह भी उनके संग उस निकाले जाने में गया।

25 और फिर, निसंदेह, दानिय्येल यिर्मयाह के पश्चात आया। और दानिय्येल ने कहा कि उसके पास समझ थी, उस पवित्र वचन के द्वारा, उन सत्तर वर्षो की कि उन्हें वहां होना था।

26 सन्देह नही, उनके बीच दूसरे भविष्यवक्ता थे वे इस जुए को बनाना चाहते थे, जैसा कि उसने इसे अपनी गर्दन पर रखा था, कि यह कोई छोटी बात होगी, कि दो वर्षों के भीतर, परमेश्वर उन सब को वापस लाने जा रहा है भाई दो वर्षो में, परन्तु यिर्मयाह को इससे कुछ भिन्न मालूम था। और हम जानते हैं वह भविष्यव्यक्ता जिसने गलत भविष्यवाणी की थी, उसका क्या हुआ वह उसी वर्ष में मर गया। इसलिए परमेश्वर उसे खड़ा नहीं होने देगा।

27 और अब ध्यान करते है कि उस दिन में लोगों की स्थिति क्या थी। अब मैं नहीं चाहता कि आप मुझे गलत समझे, मैं—मैं इस ओर निशाना नहीं लगा रहा हूं... मैं जो यहां कहना चाहता हूं, कुछ पवित्र वचन और छोटी–छोटी टिप्पणियाँ।

28 जैसा होता है मैंने अपने वचन नही लिखे है और आदि—आदि चीजें। परन्तु जब मैं पच्चीस वर्ष का दुबारा हो गया, तो, मुझे—मुझे वैसा याद नहीं रहता जैसा होता था, इसलिए मैं वचन लिख लेता हूं और एक प्रकार से जानने के लिए, कि मैं किधर की ओर बढ रहा हूं। और बीमारों के लिए प्रार्थना करने में इतना समय, और आदि–आदि, और निकल कर चले जाना, वास्तव में इतना समय नही कि सही में अध्ययन करूं जैसा मुझे

करना चाहिए।

29 अब, परन्तु यह महान भविष्यव्यक्ता इस दिन का था, ये यिर्मयाह, और यह कुछ उन्ही के कर्म में था आमोस और बहुत से दूसरे भविष्यव्यक्ता जो उठ खड़े हुए थे। जब उसने राष्ट्र की दशा देखी तो वह उत्तेजित हो गया। अब वहां स्थान थे...

30 कभी–कभी जब आप राष्ट्र के विषय में बोलते हैं, यह सोचा जा सकता है कि यह किसी निश्चित एक—एक विशेष झुण्ड को दर्शाता है। यह वह नही है। यह कुल मिला कर राष्ट्र का चित्र है। और आज हम पाते हैं, यह स्थिति यिर्मयाह के दिनों से एक—एक बहुत ही तुलनात्मक है, कि राष्ट्र मिलकर, बहुत कुछ मूर्तिपूजक दशा में चला गया है; एक प्रकार से, मैं कह सकता हूं, परमेश्वर से दूर हो गया है। और ऐसा करने के द्वारा, यह प्रचार मंच की दुर्बलता है। क्योंकि, यदि प्रचार मंच सीधा–सीधा रहे, और परमेश्वर के वचन के साथ–साथ, तो परमेश्वर हर इस प्रकार की कलीसिया में होगा जैसे वह हमारे मध्य में कार्यरत है। परन्तु वे इससे दूर हो गए। और यही चीज है जिस विषय में मैं—मैं आज सुबह बात करना चाहता हूं। और अब पाते हैं कि हर युग में यह पूर्णत सत्य रहा।

31 मैं विश्वास करता हूं यह आमोस था, जिसका मैंने थोड़ी देर पहले उल्लेख किया, कि उसने कहा कि वह "भविष्यव्यक्ता नही था, ना ही भविष्यद्वक्ता का पुत्र।" परन्तु कहा, कि, "जब सिंह दहाड़ता है, कौन ना डरेगा? "

32 और यदि किसी ने जंगल में कभी वास्तव में सिंह की दहाड़ सुनी है, ये यहाँ जो आप पिंजड़ो में सुनते हैं, वे म्याऊ करते हैं। परन्तु वह दहाड़ जो जंगल में होती है, हर चीज का ध्यान जाता है। उनके शिकार के लिए जंगल में मुझे ले जाया गया। और वह पशुओ का राजा है, और, जब सिंह गरजता है, यहां तक कि भीगर भी शांत हो जाता है, हर चीज। वे—वे गीदड़ और वे—और वे लकड़बग्घे की चिल्लाहट, और दूसरे जानवर, और बबून का चीखना और बंदर, भीगर, आप अपने को भी सोचते हुए सुन सकते हैं; परन्तु जब वह एक दूरी से दहाड़ता है, और हर भीगर शोर करना बंद कर देता है। देखिए, उससे हर चीज डरती है। तथापि, बहुत सी चीजें उसे मार सकती है, परन्तु पशुओ के बीच उसे राजा की मान्यता है।

33 उसने कहा, "जब सिंह गरजता है, कौन ना डरेगा? " उसने कहा,

"परमेश्वर बोला, कौन भविष्यवाणी ना करेगा? "

34 और यही, मैं सोचता हूं, यही स्थिति आज के लिए फिर से चुनौती है। परमेश्वर बोला। समझे? और हम दीवार पर हस्तलेख देखते हैं, इसलिए भविष्यवाणी करना सरल है और देखते हैं कि हम अंत के समय में हैं।

35 और हम परमेश्वर को देख रहे हैं, और नामधारी के हर क्षेत्र से, और कैथोलिक, और प्रोटेस्टेन्ट कलीसियाओ से होते हुए, और बौद्ध और जो भी, भारत से है, और जो भी है, वह अपने लोगों को एक साथ एकत्र कर रहा है, उन्हें एकसाथ इकठ्ठा कर रहा है। और मैं—मैं इसके लिए आनन्दित हूं, यह देखते हुए कि यह दिन आ रहा है। अब हम—हम... यह—यह एक महान दिन है, एक महानतम सोभाग्य है।

36 कि, यदि मेरे पास था, यदि मुझे पहले मालूम होता कि एक संसार था, जब हम प्राण थे परमेश्वर का एक भाग, जो कि हम हैं, क्योंकि पृथ्वी के रचने से पहले हम उसके साथ थे। क्योंकि, अनंत जीवन का केवल एक ही रूप है, और वह परमेश्वर है। और हम उसके भाग है। हम इतने नहीं थे कि हम जान पाते और—और सोच पाते, और एक जीवन थे; परन्तु हम उसके विचारों में थे यही जो कि हम थे, पृथ्वी के रचने से पहले। क्योंकि, हम उसका एक भाग हैं, जैसे मेरा पुत्र मेरा भाग है, और मैं अपने पिता का भाग हूं, और आदि–आदि। हम परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां हैं, उसके पूर्व ज्ञान के द्वारा।

37 और वहां पहले, यदि हम जान सकते होते जैसा अब हम जानते है, और उस सारे समय को देख पाते, और वह मुझसे कहता कि, "तुम कौन से समय में जीना चाहते हो? " मैं कहता इसी समय में जो अब है, बस उस—उस संसार के इतिहास के अंत की हवा, और परमेश्वर का राज्य जब पृथ्वी पर स्थापित होने जा रहा है। मैं समझता हूं कि सारे युगों से यह समय अधिक महिमामय है, इस समय।

38 हम यहां पर पाते हैं इस्राएल नबी के द्वारा दोषी ठहराया गया, जब परमेश्वर ने उसे ठहराया और उसे भेजा, उन पर दो विशेष दोष लगाये गये। और हम उन दो बातों पर बात करना चाहते हैं जो उन्होंने किया। और, उससे, हम उन्नति करना चाहते हैं। अब, वे परमेश्वर से फिर गये, जीवत जल के सोते से, और अपने लिए हौद खोद लिए। वे उस चीजो से फिर गए जो परमेश्वर ने उन्हें दी थी, और अपने आप कुछ खोद लिया

यही है जो उन्होंने अपने लिए किया। और यह हौद, आप ध्यान दें, उनके पास, यह टूटे हुए और वे चू रहे थे या दरार से बह रहा था।

39 अब, एक टूटा हुआ हौद पानी नहीं रोक सकता। यह दरार से बह जाएगा। मेरी परवरिश एक फार्म पर हुई, और मैं जानता हूं पुराना हौद क्या चीज होती है, और जो परेशानी जो उसके साथ होती है।

40 और यह चूते हुए हौद एक—एक बहुत अच्छा चित्र है, मैं सोचता हूं, इस दिन में, कि जब (हमारी) हर चीज जो हमने करने की कोशिश की, कि लोगो को, मनुष्यों को, कलीसियाओ को एक साथ मिलाए, यह हमेशा ही बुद्धिमानी के प्रयासों के कार्यक्षेत्र में किया गया है। हमने सदा कोशिश की कि सारे मैथोडिस्ट को बैपटिस्ट कर ले, और इसके विपरीत, और विभिन्न नामधारी। और यह आरंभ से परमेश्वर की योजना नहीं थी।

41 परमेश्वर के मिलने का केवल एक ही स्थान है। उसने यह बात निर्गमन की पुस्तक में कही है, कि, "मैंने अपना नाम रखने के लिए स्थान चुना है, और केवल वही स्थान है जहां मैं लोगों से मिलूंगा।" और उसने एक स्थान को चुना है जहां वह अपना नाम रखे। और वह अपना नाम कहां रखता है, वही जहां वह इस्राएल से मिला। उसके पास एक स्थान है जहां वह आज कलीसिया से मिलता है, और उसने वह चुना है, और वह नाम यीशु मसीह है। और यही है जहां वह सच्चे विश्वासी से मिलता है, जब वह यीशु मसीह में होता है। यही जहां परमेश्वर ने अपने नाम को रखने के लिए चुना है।

आप कहते हैं, "परमेश्वर का नाम? "

42 उसने कहा, "मैं अपने पिता के नाम में आया हूं।" इसलिए यही जहां परमेश्वर ने अपना नाम रखा है, मसीह में था। और मसीह में जहां हम सब उसके बहाए हुए लहू में मिल सकते हैं, और वही वास्तविक, सच्ची संगति होती है।

43 आरम्भ में परमेश्वर ने अदन वाटिका में अपनी योजना बनायी, वह जगह जहां वह मनुष्य से मिलेगा, और यह बुद्धी की समझ पर नहीं था; यदि यह था, तो हवा ठीक परमेश्वर की योजना की पंक्ती में होती। परन्तु हम जानते हैं कि उसने शैतान की समझ को स्वीकार किया, "निश्चय ही, परमेश्वर नहीं करेगा, " परन्तु परमेश्वर ने कहा कि वह करेगा! और इसलिए फिर उसने छुटकारे के स्थान को चुना, और यह लहू के द्वारा था, और बुद्धी की समझ के द्वारा नही।

44 इसलिए हम केवल हवा में मुक्के चला रहे हैं, परन्तु यह तो बस एक मनुष्य का स्वभाव है कि—कि लोग यह करने की—की कोशिश करते है। यदि हमारे पास समय होता, तो हम इसे बहुत सारे भागो में तोड़ सकते थे, परन्तु मैं वह बटन नहीं चाहता। इसलिए हम इसे जितना साधारण हो सकता है बनायेंगे, "चूते हुए हौद।" और हम पाते हैं कि यह—यह पूरी रीती से फिर से हो रहा है, यह उसी युग का चित्र है जिसमें हम रह रहे हैं, हमारी सारी कोशिश।

45 और परमेश्वर के किसी भी दास के प्रयास का अपमान नही, जो यहाँ तक यीशु मसीह के नामो को लेता है। उसके नाम का आदर होना चाहिए उसके नाम को लेने के लिए भी आदर और सम्मान में लेना है। और महान सुसमाचार सुनाने की विधी जिसने पृथ्वी को पार किया, और आदि–आदि, इन अन्त के दिनों में, मैं सोचता हूं, कि हम अब भी इस योग्य नही है कि लोगों को एक ह्रदय कर दे हम उन्हें यीशु मसीह के लहू के नीचे लेकर आते है। केवल यही स्थान है कि जिसमें कभी हम सुरक्षित होंगे।

46 अधिक समय नहीं हुआ किसी ने पूर्व से मुझे फोन किया, और बोला, "भाई ब्रन्हम, मैंने सुना है कि—कि आप एरीजोना छोड़कर चले गए हैं, और आपने एक—एक जगह बनायी है, जहां पर वो सुरक्षा है।" और जैसा कि आप जानते हैं कि संदेश कैसे आया, और प्रभु ने मुझे बताया कि अलास्का में क्या घटित होगा, और नीचे कैलिफोर्निया होते हुए यह होगा, और यह उसी प्रकार से हुआ। उन्होंने कहा, "अब यदि यह हिलने वाला है, और सब कुछ, तो फिर सुरक्षा का स्थान कहां है? "

47 मैंने कहा, "एक ही सुरक्षित स्थान है जो मैं जानता हूं। यही मसीह में है। क्योंकि वे जो मसीह में हैं, वे... " केवल यही जो मैं जानता हूं।

48 अब यिर्मयाह भी, "एक रोने वाला भविष्यव्यक्ता" कहलाता है। और क्योंकि, मैं विश्वास करता हूं, कि इसी बात ने भविष्यवक्ता को रुलाया—रुलाया, बल्कि, क्योंकि वह भविष्यवक्ता होने के कारण (और प्रभु का वचन ऐसों के पास आता है) और लोगों को देखते हुए कि लोग रीति–रिवाजों में चल रहे है, और सोचते है कि वे ठीक हैं, और उन्हें वापस फेरने का कोई तरीका नहीं है।

49 क्योंकि, वे लोग सीधे–सीधे देश निकाले में जा रहे थे, क्योंकि हम जानते हैं आप वही काटोगे जो आपने बोया, कोई मतलब नही आप कौन

हैं, आप क्या हैं। और हमने एक राष्ट्र के समान काटा, या, बोया, मेरा मतलब, और हम काटेंगे। प्रभु ने चाहा तो, मैं कल, दोपहर बाद, *प्रसव पीडा* पर बोल रहा हूं; और मैंने—और मैंने उसे थोड़ा सा लिया, कि हम किसी चीज के द्वारा बच नहीं सकते। हमें काटना ही है जो हमने बोया।

50 और यदि हमें परमेश्वर हमारी दूषिता के कारण जो आज मसीहत में है छोड़ देगा, और लोगों को इन चीजों में दूषित कर रहे है जो कि मसीहत कहलाती है, जैसा कि एक बार भाई मूर ने कहा, "वह तो वह मनोदशा से बाध्य है कि सदोम और अमोरा को जीवित कर, और उन्हें जलाने के लिए क्षमा मांगे।" यह ठीक बात है, क्योंकि परमेश्वर अब भी न्यायी है। और तो फिर अन्याय कहाँ है; यह—यह उसकी पवित्रताई और उसका वचन जो लोग काटते है जो उन्होंने बोया, और हमें यह करना होगा।

51 अब ध्यान दें, उन्होंने उस जीवते जल के सोते को छोड़ दिया, और स्वयं अपने लिए हौद खोद लिए।

52 अब यहां पर कोई हो सकता है जो यह ना समझ पाए कि हौद क्या होता है। हौद मनुष्य द्वारा बनाये हुए गड्ढे होते है जो कुएं के बदले में स्थान लेने का यत्न करते है। यह कुछ ऐसा जो किसी ने खोदा है। और कितने जानते हैं कि हौद क्या होता है? बहुत अच्छा। तो ठीक है, आज सुबह यहाँ बहुत सारे गांव के लोग हैं। इसलिए वे... उस स्थान पर मुझे पुराना हौद याद है, वह कैसा दिखता है, और उसमें से पीते हुए मैं हमेशा डरता था। यह एक—एक मनुष्य द्वारा बनाया गया छोटा सा तालाब होता है। और आप इस पर कभी भी विश्वास नहीं कर सकते। आप हौद पर निर्भर नहीं कर सकते।

53 और कोई भी चीज जो मनुष्य द्वारा की जाती है अक्सर अच्छी नहीं होती है। परन्तु जैसा कि प्रभु ने उस—उस समय को तय किया है उस चक्र में—में—में, और पृथ्वी घूम रही है; हर वर्ष, हर समय को ये पार कर रहा है, हर दिन, हर घंटा, और सूर्य डूब रहा है, और यह कभी असफल नहीं होता। परन्तु बहुत अच्छी घड़ी जो हमारे पास हो सकती हैं, बहुत मिनटों से महीने के समय में असफल हो जाती है, कोई संदेह नहीं। परन्तु, आप देखिए, हर चीज जो परमेश्वर करता है सिद्ध होती है, और जो मनुष्य करता है वह सिद्ध नही होता। तो फिर जो मनुष्य करता है उसे क्यों स्वीकार करें, जब कि आप एक सिद्ध को ले सकते हैं?

54 मैंने सदा हम पेंटीकोस्टल लोगों के विषय में कहा है। देखिए, हम जानते हैं, और हम—हम विश्वास नही करते कि हम परमेश्वर के व्यवस्था क्रम से बाहर नहीं हैं; परन्तु हम यह भी जानते हैं कि हमारे मध्य में कुछ लोग हैं जो दूसरे की नकल करने का यत्न करते हैं। यह बस मनुष्य है। वे यह करने का यत्न करेंगे। उन्होंने बाईबल में यह किया, "एक, 'मैं पौलुस का हूं,' 'मैं सिलास का हूं,'" और आदि–आदि। परन्तु वे—वे नकल करने की कोशिश करते हैं जो किसी और ने किया या कर रहा है।

55 परन्तु आप क्यों उस झूठी नकल को स्वीकार करेंगे, जब कि आकाश मूल चीजों से भरा पड़ा है, जबकि "प्रतिज्ञा आप से और आपके बालको से है"? तो क्यों हम और भिन्न चीज स्वीकार करेंगे? क्यों हम मतसार या सिद्धांत को लेते है, जबकि बाईबल परमेश्वर का शुद्ध वचन है? क्यों हम इसमें मिलाने या निकालने का यत्न करते है, जब कि प्रभु यीशु ने प्रकाशितवाक्य 22:18 में कहा है, "कोई भी जो इसमें से एक भी वचन निकालेगा, या इसमें एक वचन बढायेगा, तो उसका भाग जीवन की पुस्तक में से ले लिया जाएगा"?

56 जब परमेश्वर ने पहली बार मनुष्य जाति को... पृथ्वी पर रखा, उसने उन्हें बताया वे उसके वचन से जीते हैं। अब परमेश्वर का वचन एक जंजीर के समान है, आप इससे नरक को पार कर रहे हैं; और यह जंजीर यह अपने कमजोर जोड़ पर ही सबसे अच्छी होती है, और परमेश्वर हम से चाहता है कि हम इसके हर वचन का पालन करे। अब यह बाईबल का सबसे पहला है; बस एक वचन तोड़ना, मनुष्य जाति को मृत्यु के अंधकार में डुबा देती है।

57 यीशु बाईबल के मध्य में आता है, और उसने यह कहा, "मनुष्य केवल रोटी से ही जीवित नही रहेगा, परन्तु हर वचन से।" ना की वचनों के एक भाग से, या सौ में से निन्यानवे; परन्तु हर वचन से, जैसा कि हवा और आदम थे।

58 और बाईबल के अन्त में, प्रकाशितवाक्य 22:18 में, उसने यह कहा कि, "जो कोई भी इसमें से एक वचन निकालेगा, या इसमें एक वचन मिलाएगा!"

59 इसलिए हमें क्यों आवश्यकता है कि इसमें कुछ किसी के विचार कि बातें मिलाए, जब कि परमेश्वर का इस विषय में अपना विचार है? हम वह

लेना चाहते हैं जो उसने कहा। और यह भी लिखा है कि, "हर मनुष्य का वचन झूठा, और मेरा वचन सच्चा हो।"

60 और भविष्यव्यक्ता के साथ भी यही मामला था। यिर्मयाह के दिनों में, वह एक भविष्यव्यक्ता था, उसके पास प्रभु का वचन था। और यह व्यक्ति उसमें कुछ मिलाना चाहता था। अब, इस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। और मैं इन हौदो का इस व्यवस्था के साथ मिलाप करना चाहता हूं, जिसे हमने लेने का यत्न किया है, कि परमेश्वर के मूल वचन का स्थान ले।

61 क्योंकि, इसका स्थान कोई भी चीज नहीं ले सकती। यह परमेश्वर है। "आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। और वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच वास किया।" और इब्रानियों 13:8 में कहा, "वह कल, आज और सर्वदा एक सा है।" इससे हम कैसे अलग हो सकते हैं? इसे सत्य ही होना है। वह एक सा ही रहता है। वह हर सिद्धांत में एक सा है।

62 यही कारण है कि आप इसका आनंद लेते हैं, आप बैपटिस्ट और मेथोडिस्ट, और कैथोलिक और प्रेस्बिटेरियन, और आदि–आदि, उसकी उपस्थिति का आनंद लेते हैं। कहीं, आपके अन्दर, आपने परमेश्वर को स्वीकार किया है। हो सकता है कभी बुद्धी के द्वारा, हो सकता है, आपने परमेश्वर की सामर्थ का अनुभव किया है, और आप परमेश्वर के दास है; परन्तु जब आप वास्तव में परमेश्वर के पास आते है, और अपने स्थान को उसमे पहचानते हैं, परमेश्वर के एक पुत्र या पुत्री के समान, और यही आपमें महान रोमांच लाता है, कि परमेश्वर आपको चाहता है कि आपके पास हो।

63 अब हम संत मरकुस 16वें अध्याय में ध्यान देते हैं, यीशु ने क्या यह नहीं कहा, "सारे संसार में जाओ, और—और—और सिखाओ।" उसने कहा, "जाओ और सुसमाचार प्रचार करो।" सुसमाचार प्रचार करो, पवित्र आत्मा के सामर्थ का प्रदर्शन करो! "तुम सारे संसार में जाओ, और पवित्र आत्मा के सामर्थ का प्रदर्शन करो।"

64 एक भाई से बात कर रहा था, जो खर्चा उठाता है... भारत में मेरी सभाओं का, वहां बंबई में, और दक्षिण अफ्रीका में और अलग–अलग स्थानों में, जहां मिशनरियों ने वचन करके सिखाया था या जैसे बुद्धी का विचार। परन्तु एक दिन सभा में, जब पवित्र आत्मा नीचे उतरा, और स्वयं

ही, और एक ही वेदी की बुलाहट में तीस हजार कंबल ओढ़े हुए मूल निवासियों को अपने पास बुलाया, और उसी स्थान से जहां वे खड़े हुए थे। स्त्रियां वहां खड़ी थी, जो कि वैसी ही नंगी थी, जैसे वे इस संसार में आयी थी, और उसी घड़ी उन्होंने मसीह को स्वीकार करने के लिए अपने हाथ उठाये...

65 और पवित्र आत्मा उस स्थान पर उतरा और एक ही बार में पच्चीस हजार लोगों को चंगा कर दिया, पहिए वाली कुर्सियों से, खाट से और स्ट्रेचरो पर से उठा दिया। अगले दिन नगर का मेयर मेरे साथ था, उन गाड़ियों को देखा जो भरकर सड़क पर जा रही थी।

66 वे स्त्रियां वहां नंगी खड़ी थी, यह ना जानते हुए कि वे नंगी है। लेकिन जैसे ही पवित्र आत्मा ने उन पर प्रभाव डाला, उन्होंने अपने हाथ समेटे कि उन पुरुषो की उपस्थिति से हट कर चली जाये।

67 और मैं इस बात से अचम्भित था कि हम अमरीकन अपने आप को एक मसीही राष्ट्र कहते हैं, और परमेश्वर की उपस्थिति में; और हर वर्ष हमारी स्त्रियां, अधिक से अधिक कपड़े उतार रही है। और आपको उन्हें एक और पहनाना चाहिए। और जितना अधिक आप मसीह को पहनेंगे, उतना ही अधिक आप अपनी खुद की परिस्थितियों के प्रति सचेत होंगे। कभी–कभी मैं लोगों को सड़को पर ऐसा व्यवहार करते देखता हूं, मुझे आश्चर्य होता है कि उनकी मानसिक स्थिति ठीक भी है या नही। ऐसा प्रतीत होता है कि जब वे ऐसा करते है तो उन्हें अनुभव नही होता कि, वे क्या कर रही हैं, वे अपने आप को शैतान का फन्दा बना रही हैं, और प्राणों को नरक में भेज रही है। यह ठीक बात है। परन्तु संसार भ्रष्टाचार में है जैसे कि यिर्मयाह के दिनों में था।

68 अब वापस हौद पर आते है। इन हौदो पर भरोसा नहीं किया जा सकता है क्योंकि यह अपने आप को भर नही सकते। और इसे स्थानीय वर्षा पर निर्भर होना पड़ता है कि इसे भर दे, स्थानीय वर्षा, या स्थानीय बेदारीयो पर, कि थोड़ी बेदारी *यहां* हो और थोड़ी बेदारी *वहां* हो, या आदि–आदि, कि भर जाये। इसलिए इस पर निर्भर नहीं कर सकते। यह अपने आप को भर नही सकता। यह अपर्याप्त है, अपने में। ये नहीं कर सकता। और इसे वर्षा पर ही निर्भर होना पड़ता है कि यह इसे भरे।

69 तो फिर ध्यान दें कि यह अपनी वर्षा कहां—कहां से लेता है, यह कहां

से पानी लेता है, यह हौद। यह खलिहान के छत पर से आता है, जहां सारी धूल उड़ कर वहां पर गंदगी गिरी रहती है, यह वर्षा से धुलती है, और सीधे हौद में जाती है, एक मनुष्य द्वारा बनाया गया तालाब। यह लगभग एक गंदी जगह के समान बन जाता है। और यह खत्ती की छत को धोता है, जहां सारे पशु, उनकी गंध खत्ती में होती है, और आदि–आदि, और वहां बस जाती है। और हवा उस—उस धूल को उड़ाती है और दूसरी चीजे खत्ती में, और फिर स्थानीय वर्षा आती है और धो डालती है, वो वर्षा, साफ कर देती है।

70 और जल मनुष्य द्वारा बनाई गयी नाली के द्वारा, मनुष्य द्वारा बनाये टोंटी से मनुष्य द्वारा बनाये गए हौद में आते है। और तब जब यह वहां पहुंच जाता है, यह गंदा होता है, यह इतना गंदा होता है कि इसे छानने के लिए आपको चिथड़ा लगाना होता है, या फिर आप इसे पी नही सकते। अब, आप देखिए, ये छत का धुला हुआ है, मनुष्य द्वारा बनाई हुयी नाली से, मनुष्य द्वारा बनाई गई टोंटी से, मनुष्य द्वारा बनाए गए हौद में। और मनुष्य द्वारा बनाई हुई छलनी इसके ऊपर कि देखे वे छोटे–छोटे कीड़े और चीजें छानकर अलग रहे।

71 अब, अब हम ध्यान देते हैं, कि, जब जल वहां ठहर जाता है, इस मनुष्य के द्वारा बनाये गए नामधारी में–... , या, हौद में। मुझे क्षमा करें। मुझे क्षमा करें। ठीक है। जब यह इसके बाद—इसके बाद इसमें धुल जाये, सब प्रकार के धर्म विज्ञान और चीजें इसमें धुल गई; अब हम यह पाते हैं, जब यह वहां कुछ दिनों तक पड़ा रहता है, यह ठहर जाता है।

72 और कोई भी कलीसिया के इतिहास को जानता है, जब परमेश्वर किसी चीज को भेजता है, एक संदेश, और यह परमेश्वर की ओर से ताजा होता है, तब उस—उस संस्थापक के जीवन के पश्चात (या यह जो भी हो सकता है, आप उसे सुधारक कहते हैं, या आप उसके विषय में जो भी कहना चाहते हैं), उसकी मृत्यु के पश्चात, तब वे काम चलाने के लिए एक व्यवस्था लेते हैं और वे एक संस्था बनाते हैं। और जैसे ही वे इसमें से एक संस्था बनाते हैं, यह वहीं मर जाता है। यह फिर नहीं उठता। पहले भी यह हर बार, पहले, ऐसे ही हुआ है।

73 एक कैथोलिक पादरी जो यहां बैठा है उसका सम्मान करते हुए; जब परमेश्वर ने कलीसिया को संस्थागत किया... या, इसे संस्थागत नहीं,

परमेश्वर ने कलीसिया को कभी संस्थागत नहीं किया। वह इस प्रकार के मामले में नहीं होता है। वो एक जन्म में है, ना कि संस्था में। इसलिए, जब परमेश्वर ने पेंटीकोस्ट के दिन कलीसिया को आरंभ किया। और फिर अत: निसियन, रोम तक, उन्होंने इसे संस्थागत किया, और यही जहां इसने अपनी सामर्थ खो दी।

74 तब हम नीचे लूथरन के सुधार तक आते हैं, और यह एक महान चीज है। परमेश्वर का वचन दिया गया था, "धर्मी जन विश्वास से जीवित रहेगा।" और जब उन्होंने यह किया, बजाये इसके कि इसको ऊपर उठाते, कुल मिलाकर वे एकत्र हुए और आगे बढ़े, उन्होंने लूथरन कलीसिया बनाई, अपने आपको इस झुण्ड से अलग किया, और फिर वे मर गये।

75 तब परमेश्वर ने जॉन वेस्ली को उठाया, पवित्रीकरण के साथ, अनुग्रह के दूसरे कार्य का संदेश, और यह शानदार चीज थी। परन्तु वेस्ली और एसबरी की मृत्यु के पश्चात, वे संगठित हो गए, ये मर गया।

76 तब पेंटीकोस्टल वरदानो के लौटाए जाने के साथ आया। वे अच्छा कर रहे थे, क्या हुआ? इसे संगठित किया और यह मर गया। ठीक वैसे ही।

77 अब इस सब के बीच में होते हुए, परमेश्वर अब भी हर पीढ़ी में से बचे हुओं को बुला रहा है। वह निश्चय ही है। और यह हमारा समय है, कि बाहर आकर एक साथ मिल जाए। और यही है जो मैं सोचता हूं, कि फुल गोस्पल बिजनेस मैन ने एक अच्छी भूमिका की है इन दीवारों के तोड़ने में, और यह कह रहे है, "कि हम में कोई अंतर नहीं है। और आओं हम सब मिल कर परमेश्वर की आराधना करें एक ही सिद्धांत के अधीनता में, ना की संस्था की अधीनता में।" यदि यह एक संस्था है, तो फिर मैं इसी समय इसके मंच पर से उतर जाऊंगा। मेरा इससे कोई लेना–देना नहीं है।

78 यह क्या है, इसे एक संगति होना चाहिए, और ना कि किसी एक मतसार की संगति, परंतु मसीह में संगति, उसके पुनरुत्थान की सामर्थ में। यही चीज जीवन को लाती है, यह जन्म को लाती है।

79 और इसके पहले कि जन्म हो सके, हम अनुभव करते हैं जन्म से पहले मृत्यु को होना है। और जन्म एक गंदगी है, मैं चिन्ता नहीं करता किस प्रकार का जन्म है। यदि यह सुअर खाने में है, या—या यह जहां कहीं भी है, यह गंदा है। और ऐसे ही नया जन्म, यह आपसे उन चीजों को करवाता है जो साधरणत: आप ऐसा करने को नही सोचेंगे। परन्तु जब आप स्वयं से ही

मरने को तैयार होते हैं, तब आप नया जन्म पाते हैं, मसीह यीशु में एक नई सृष्टि, तब चीजें, खुल जाती हैं और जीवन आप के लिए एक नई दृष्टी बन जाता है, क्योंकि आपने यीशु मसीह के व्यक्ति को स्वीकार कर लिया है, और ना कि कोई सिद्धांत या मतसार।

80 या, लिखे हुए वचन भी, इसे पवित्र आत्मा के द्वारा जीवित होना है। कोई मतलब नहीं आपके पास कितना भी धर्मविज्ञान का ज्ञान है, यह वहां पर मृत पड़ा रहता है। मेरे पास मुट्ठी भर गेहूं है; जब तक यह उस प्रक्रिया में नहीं आता जहां यह जीवित हो सकता है, गेहूं कभी भी जीवित नहीं होगा। और आपके पास डॉक्टर की डिग्री हो सकती है, पीएच., एलएल., जो भी आप चाहे; परन्तु जब तक पवित्र आत्मा उस पर आकर और आपके लिए जीवित नहीं करता, परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत अनुभव के नाई, तो फिर गेहूं भला नहीं करता। आपका सीखना व्यर्थ है।

81 जैसा कि इस अंग्रेज ने उस रात्री को यहां कहा, मैं इस पर बहुत अचम्भित हुआ। उसने पौलुस के समान सब कुछ सीखा, वह जो उसने सीखा सब कुछ भूल गया, ताकि मसीह को पा सके, उन चीजों को किया जिसे करने के लिए उसने कभी नही सोचा होगा।

82 परन्तु परमेश्वर इसी प्रकार से करता है, वह हमारी शिक्षा व्यवस्था में हमें नीचा दिखाता है। ऐसा नही कि मैं अज्ञानता का पक्ष ले रहा हूं, परन्तु मैं आपको अंतर बताने का यत्न कर रहा हूं। शिक्षा जीवन को कभी नहीं ला सकती। यह तो परमेश्वर का आत्मा ही जीवन लाता है, और उस जीवन को बुद्धी की बेदारी से नहीं आना चाहिए। इसे तो बाईबल से ही आना है, वचन की बेदारी, और वचन कल, आज और सर्वदा एक सा है। और जब यह आज गिरता, और जिलाता है, तो आपको वही परिणाम मिलते हैं जो प्रेरित 2 में हुए। बिल्कुल वही। यह सदा ही है, और यह सदा होगा, क्योंकि यह परमेश्वर का आत्मा है जो वातावरण को उस हालात में कर देता है।

83 यह वातावरण है जो चीजों को करता है। यही कारण है आप पुरुषो को सदा सिखाया जाता है, "अपने बालको को यहां लाये।" भई, सही में यह ठीक बात है। मैं अपनी पुत्री रिबका को देखकर आनन्दित था, कि बस कुछ ही मिनट पहले यहां आकर बैठी है। यह मेरी पुत्री थी, कि वह आकर यहां बैठी, आप में से कुछ लोगों ने मुझे एक स्त्री की ओर पलक झपकते देखा है, सो वह अंदर आई और बैठ गई। मैं चाहता हूं कि उसे पवित्र आत्मा का

बपतिस्मा मिले, और इसलिए वह यहां इस सभा में है। इसका यही उद्देश्य है। इसके लिए वातावरण चाहिए।

84 जैसा कि बूढ़े डॉक्टर बोसवर्थ कहा करते थे, "आप एक मुर्गी के अंडे को ले कर पिल्ले के नीचे रख दे यह चूजा निकाल देगा।" क्यों? यह एक अंडा है और इसे सही वातावरण मिल गया।

85 मैं चिन्ता नहीं करता कि आप एक मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन हैं; सही वातावरण में, यह परमेश्वर के नये जन्मे बालक को उत्पन्न करेगा। वातावरण यह होता है जो इसे करता है, कोई मतलब नहीं आपके ऊपर कौन से नामधारी का ठप्पा लगा है।

86 मैं पशु चराया करता था। मैंने ध्यान दिया जंगल की देखभाल करने वाला, जब हम उन्हें चारागाहों से—से जंगल में ले जाते और जंगल में ले जाते। हम वहां खड़े होते और फाटक में से निकालते हुए उन पर ध्यान रखते, घूमी हुई बाड़ से। वे चिन्ह पर अधिक ध्यान नहीं देते थे, क्योंकि वहां सब प्रकार के चिन्हों के अन्दर जाते। परन्तु वह एक चीज पर ध्यान देता था, लहू वाले लेबल या फीते पर। इसे हियरफोर्ड वंश का होना चाहिए या फिर यह जंगल में नहीं जा सकता, क्योंकि यह हियरफोर्ड की एसोसिएशन जो जंगल में चराती थी। इसके पास लहू का वह फीता लगा होना ही चाहिए, ताकि नस्ल को सही रखे।

87 और मैं सोचता हूं कि इसी प्रकार यह न्याय के दिन पर होगा। वो मुझसे यह पूछने नही जा रहा कि क्या मैं मेथोडिस्ट था, या बैपटिस्ट, पेंटीकोस्टल, या प्रेस्बिटेरियन, परन्तु वह तो लहू के उस फीते या निशान को देखने वाला है। "जब मैं लहू को देखूंगा, तो मैं तुम्हे छोड़ जाऊंगा।" यही बात है।

88 इसलिए हम इन हौदो को पाते हैं, जब थोड़ी देर बाद जब वे बैठ जाते है, वे... वे रुक जाते हैं और वे ठीक नहीं। और फिर यह मेंढकों और छिपकलियों और सांपों का घर हो जाते है कीड़े और जीवाणु, और जो भी है, क्योंकि यह रुकी हुई स्थिति है जो इसमें हो जाती है। क्या आप कल्पना करते हैं, खलियान के छत से धुला पानी, या उसे सटी हुई घर की छत, या जहां कहीं भी धूल होगी, तो किस प्रकार के कीड़े और जीवाणु, और सारी चीजे, जो इस हौद में धुल कर आती है?

89 अब, यह मनुष्य द्वारा बनाई गई व्यवस्था का सिद्ध उदाहरण है। यह

आरंभ से ही असफल है। यही कारण है कि इसे एक बचानेवाले की आवश्यकता है। वह अपने आप को नहीं बचा सकता, वह इसके लिए कुछ नहीं कर सकता। यह आरंभ से ही नष्ट है। यह संसार में पाप के साथ जन्मा, वह संसार में झूठ बोलते हुए आया। वह आरंभ से ही झूठा है, तो वह संसार में अपने लिए क्या कर सकता है? कैसे एक पवित्र मनुष्य हो सकता है?

90 कोई भी पवित्र मनुष्य नहीं है। कोई पवित्र कलीसिया नहीं है। यह पवित्र आत्मा है! कोई पवित्र कलीसिया या पवित्र लोग नही है; यह पवित्र आत्मा लोगों के बीच में है, यही बात है। आमीन। कोई पवित्र पर्वत नही जहां पतरस और वे खड़े हुए; पहाड़ पवित्र नहीं था। परन्तु यह तो पवित्र परमेश्वर पहाड़ पर था, जिसने उसे पवित्र बना दिया। ये कोई पवित्र मनुष्य नही; यह तो पवित्र आत्मा उस व्यक्ति में है जो इसे पवित्र बनाता है। ना कि व्यक्ति; परंतु पवित्र आत्मा का व्यक्ति! यह मनुष्य नहीं है; क्योंकि, वह तो बस एक मनुष्य ही है, "पाप में जन्मा, अपराधो में बड़ा हुआ, झूठ बोलता हुआ संसार में आया।"

91 कोई भी मनुष्य द्वारा बनाई व्यवस्था उसे उसमें रखेगी। वह उसे बुद्धी की बातो से अंधा रखेगी, बुद्धी वाली आंखे, जो वे सोचते हैं, "मैं कलीसिया से हूं, मेरा नाम पुस्तक में है। मैंने *यह* किया है। मेरे पिता *यह* थे या, और आदि–आदि।" यह ठीक लगता है; जो, यह है, इसके विरोध में कुछ नहीं है। परन्तु फिर भी, मित्र, यीशु ने कहा, "जब तक मनुष्य फिर से नया जन्म ना ले, यहां तक कि वह देख नहीं सकता," *देखना*, इसका यह अर्थ नहीं कि वह अपनी आंखों से देखे, परन्तु, "स्वर्ग के राज्य को *समझे*।" जब तक आप उसमे जन्म ना ले!

92 यह बैपटिस्ट सुसमाचारक फैलानेवाला, कैसे वह मनुष्य जो वहां खड़े होकर और आलोचना करता और इसका उपहास उड़ाता है? देखो, उसमें कुछ भी नहीं है जो कि इसे ग्रहण भी कर सके; परन्तु परमेश्वर को इसे करना है, देखिए। परमेश्वर ने उसे पवित्र आत्मा दिया है। उसने यह प्रगट किया है यह कोई ढोंग नहीं है, यह वचन है। उसने विद्यालय के विचारो को सुना है, और वे कोशिश कर रहे है कि परमेश्वर की सारी उन—उन आशीषो को ले कर और उसे बीते हुए दिनों पर रखे।

93 यहां अधिक समय नहीं हुआ, एक युवा बैपटिस्ट प्रचारक, इस प्रात:

यहीं पर बैठा हुआ था; और वह मेरे पास आया, और उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, एक चीज है जो आप गलत कर रहे हैं।"

मैंने कहा, "मेरी सहायता करे।"

94 और उसने कहा, "मैं सोचता हूं आप ईमानदार और एक अच्छे व्यक्ति हैं, परन्तु... "

मैंने कहा, "धन्यवाद, श्रीमान।"

उसने कहा, "परन्तु एक चीज आप गलत कर रहे हैं।"

मैंने कहा, "मैं आशा करता हूं प्रभु ने एक चीज गलत पाई।"

95 और उसने कहा, "भाई आप यही गलत कर रहे है... जो गलत है।" कहा कि, "आप संसार को प्रेरितों या चेलो की सेवकाई से परिचित करवा रहे हैं, और," कहा, "प्रेरितों की सेवकाई प्रेरितों के साथ समाप्त हो गई।"

96 मैंने कहा, "एक बैपटिस्ट के रूप में एक बैपटिस्ट से, मैं आपसे एक प्रश्न पूछना चाहता हूं।"

बोला, "क्या? "

97 मैंने कहा, "क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर का वचन प्रेरणा से है, इसका हर एक बिन्दू? "

उसने कहा, "क्यों, निश्चय ही।"

98 मैंने कहा, "तब, उसने कहा, 'एक भी शब्द ना मिलाए, या निकाले।' क्योंकि," तब मैंने कहा, "मैं आपको दिखाऊंगा कहाँ प्रेरितों की आशीषे लोगों पर उतरी, परमेश्वर की प्रतिज्ञा के द्वारा, अब आप मुझे परमेश्वर की प्रतिज्ञा दिखाये और कब यह लोगों पर से उठा कर अलग किया गया। देखिए, यदि आप वचन में से इसे नहीं दिखा सकते हैं, तो—तो फिर इसके विषय में भूल जाये, देखिए," मैंने कहा, "क्योंकि यह अब भी जारी है।"

99 कुछ मिनटों तक वह कुछ भी नहीं बोला। और फिर मैंने कहा, "ठीक है, फिर भाई, मैं आपसे यह पूछना चाहूंगा। पतरस ने प्रेरितों के संदेश से लोगो को, पेंटीकोस्टल पर अवगत कराया। और सब जानते हैं कि यह सही है, क्योंकि उसके पास स्वर्ग के राज्य की कुंजी थी, जो कि यीशु ने उसे दी थी। और अब ध्यान दे कि उसने क्या कहा। उसने कहा, 'तुम में से हर एक प्रायश्चित करे, और पापों से छुटकारे के लिए प्रभु यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले, और तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे। क्योंकि यह

प्रतिज्ञा तुम से और तुम्हारी सन्तानों से, और उन से जो दूर–दूर हैं, उन से भी जिनको प्रभु हमारा परमेश्वर बुलाएगा।' तब यदि कोई स्थान है जहां इसने इसे वापस ले लिया, तो फिर पेंटीकोस्ट के दिन के पतरस के उन शब्दों का क्या हुआ? " समझे? नहीं, यह कभी समाप्त नहीं हुआ!

प्रिय मरने वाले मेमने, तेरा किमती लहू
कभी भी अपनी सामर्थ नहीं खोयेगा,
जब तक कि परमेश्वर की छुडाई जाने वाली सारी
कलीसिया
बच ना जाये, कि पाप और ना हो।

तब उस कुलीन में, वह मीठा गीत,
मैं तेरी सामर्थ के लिए गाऊंगा कि बचा ले,
जब यह बेचारी तुतलाती, लडखडाती जुबान
कब्र में जाकर शान्त हो जाये।

100 परमेश्वर विश्वास करने के लिए मेरी सहायता करे जो इसे थामे रहे, और हम सारे इसके पक्ष में खड़े हो, क्योंकि यह सुसमाचार की सच्चाई है! जी हां, श्रीमान।

101 एक बुद्धिमान मनुष्य को इन चीजों की ओर कभी नहीं देखना चाहिए। और जानना चाहिए की उन्होंने कभी काम नहीं किया। ना ही उन्होंने किया है। एक संगठित धर्म और एक संगठित अनुभव कभी भी परमेश्वर की उपस्थिति में कार्य नहीं करेगा। इसे तो परमेश्वर के पास से बिना मिलावट के आना है। यह परमेश्वर के द्वारा कभी प्रयोग नहीं किया गया, पिछले बीते समय में भी नहीं कि परमेश्वर ने कभी ऐसी व्यवस्था का उपयोग किया हो। अब आप, ओह, आप सदस्यता और चीजे इस प्रकार की पाते है। परन्तु मेरा अर्थ परमेश्वर का मूल वास्तविक बीज, आशीषे जो पेंटीकोस्ट के दिन उतरी, यह कभी भी संस्था के द्वारा नहीं आयी; यह जन्म के द्वारा आयी, नया जन्म लेने के द्वारा।

102 हमें इस्राएल को लेने के लिए निमन्त्रण दिया गया, उदाहरण के लिए—के लिए जो कि वे रहे थे। ध्यान दें, "उन्होंने उसे छोड़ दिया, उनके प्रदान किये गए सोते को, और स्वयं ही कुछ हौद खोद लिए।" क्या आप एक—एक—एक—एक चीज की कल्पना कर सकते हैं, जब एक व्यक्ति एक उमड़ते सोते के पास जाता है, पीता है, और फिर उसे हौद में बदलना

चाहता है, देखो, कि उसमें से पीए? अब यही है जो भविष्यवक्ता ने कहा, यही है जो परमेश्वर के वचन ने कहा। यही है जो परमेश्वर ने भविष्यव्यक्ता से कहा। "तुमने मुझे छोड़ दिया और—और मुझे अलग कर दिया, जीवन जल के सोते को; और अपने लिए अपने आप हौद खोद लिए, जो कि टूटे हुए हैं, और वे चू रहे हैं।"

103 देखो, कुछ, वे कुछ ऐसा चाहते है जिस पर नियन्त्रण रख सके, या दिखा सके कि उन्होंने क्या किया है। यही—यही तो संगठित धर्म की मूर्खता है। इसका हमेशा ही यत्न किया गया, उन्हें तो कुछ अपने आप में से लेना है। उनके पास ये सारी व्यवस्थाये और सोसाईटी है, और आदि–आदि, "और मैं अब *इस* से संबंधित हूं।" बजाये इसके कि परमेश्वर के बालक होने के नाते नम्र हो, वे कुछ ऐसा चाहते हैं कि वे अपने आपको दिखा सके। बजाये इसके कि परमेश्वर को अपनी तरह से करने दे, वे इसे अपनी तरह से करना चाहते है। और इसी प्रकार से आज सिद्धांत कलीसिया में आ गये है। नही... हर सिद्धांत, एक इसे *इस* प्रकार से चाहता है, एक *इस* तरह से चाहता है। यदि आप मेथोडिस्ट हैं, तो आपको *इस* प्रकार से होना चाहिए। एक बैपटिस्ट को, *इस* तरह से। एक प्रेस्बिटेरियन, कैथोलिक, जो भी और हो, उनके अपने सिद्धांत है। इसके विरोध में कुछ नहीं, परन्तु यह वो नहीं जिसके विषय में मैं बात कर रहा हूं।

104 मनुष्य इसे अपनी तरह से ही करना चाहता है, और परमेश्वर का अपना मार्ग है इसे करने का। और उसने कहा, "तुम अपने ही मार्ग पर बने हो, टूटे हुए हौद; और मेरे मार्ग को नही अपनाना चाहोगे, जीवन का मार्ग।"

105 और यह वही बात है जैसा कि यह आज है। इसमें जरा भी बदलाव नहीं है। सोचिए, यह कितनी मूर्खता है, मनुष्य उमड़ते सोते को छोड़ जो कि शुद्ध साफ पानी उछलता है, और फिर वह उस टूटे हुए हौद के पास जाना चाहता है जिसे उसने खुद बनाया है, और उसके लिए हौद खोदा, उस कूड़े के साथ जो खलिहान की छत से धुलकर आता है, और उससे पीता है। तो फिर निश्चय ही उस व्यक्ति के मस्तिष्क में कुछ गड़बड़ है।

106 और जब एक—एक मनुष्य वचन की एक—एक कलीसिया संबंधी धारणा से चिपका रहेगा, बजाये इसके कि पवित्र आत्मा को जो वचन को प्रमाणित करता है और इसे आपके लिए वास्तविक बनाता है, तो फिर उस व्यक्ति में कुछ आत्मिक रूप में गडबड है। यह बिल्कुल ठीक बात है। निश्चय

ही, पवित्र आत्मा! हर एक के पास उनकी अपनी बाईबल का अनुवाद है, जो आप सोचते हैं कि सही है। परमेश्वर को आपकी सहायता की आवश्यकता नहीं है। परमेश्वर को आपके अनुवाद की आवश्यकता नहीं है।

107 परमेश्वर स्वयं अपना अनुवादक है। परमेश्वर अनुवाद को करता है जिस तरह से वह—वह जिस तरह से वह कहता है कि वह इसे करेगा। प्रभु ने आरंभ में कहा कि, "उजियाला हो जाये," और वहां उजियाला था। इसके लिए अनुवाद की आवश्यकता नहीं है। यही है जो परमेश्वर ने किया। उसने कहा, "एक कुंवारी गर्भवती होगी," वह हुई। इसके लिए अनुवाद की कोई आवश्यकता नहीं है। उसने कहा वह "अपना आत्मा सारे देह पर उण्डेलेगा," उसने यह किया। इसके लिए किसी अनुवाद की आवश्यकता नहीं है। परमेश्वर अपने वचन का अनुवाद प्रमाण के साथ करता है, और इसे प्रकट करता है, और इसे सिद्ध करता है।

108 इसी प्रकार से भविष्यवक्ता था परमेश्वर द्वारा प्रमाणित किया गया। उसने कहा, "यदि तुम्हारे मध्य में कोई हो, जो आत्मिक है या एक भविष्यव्यक्ता, मैं प्रभु उस पर स्वयं को दर्शनों द्वारा प्रगट करूंगा, उससे स्वप्नों के द्वारा बात करूंगा। और जो वह कहे वह घटित हो जाये, तो उसका भय खाना; परन्तु यदि ये ना हो, तो फिर नही।"

109 यह वही बात है जब परमेश्वर अपना वचन बोलता है, और मनुष्य कहता है, "वचन *यह* है," और यह उसी प्रकार से हो जाये, तो फिर यह परमेश्वर कर रहा है।

110 परन्तु यदि वह कहता है, "यह *इस* तरह से है, और दिन तो चले गए," क्यों यह सारा लेते हो... वह भूख की रोटी को अपने हाथ में लिए पहुंचता है, अपने बालको के लिए और उनसे वापस ले ले; और उन्हें भूखा रहने दे। तो क्यों आप चाहेगे कि उस हौद में से पीये जबकि उमड़ता हुआ सोता वहां पर है?

111 अब जीवन का सोता क्या है? जीवन का सोता क्या है, जीवन जल का सोता? एक उमड़ता हुआ सोता, हम इसकी तुलना करेंगे।

112 अब मैं चाहता हूं कि आप हौद और जीवन जल के सोते के बीच भिन्नता पर ध्यान दें; उमड़ता हुआ सोता, और एक पुराना टूटा हुआ हौद जो कि कीड़े, छिपकलियों, मेंढकों, जीवाणुओं और जो भी उस से भरा है, देखिये।

113 और यहां एक उमड़ता हुआ सोता है। अब इस पर ध्यान दें। यह आत्मनिर्भर है। आपको कोई बड़ी व्यवस्था की आवश्यकता नहीं है कि उसमें बहुत सा पैसा लगाये। आपको बहुतो को उसका सदस्य नही बनाना है। यह अपने सदस्यों का समर्थन करता है, उनमें जीवन की आत्मा से, कार्य कर रहा है।

114 ध्यान दें, इसमें से जो जल आता है, वह ताजा, शुद्ध और साफ होता है। ना कि एक हौद, कुछ जो रुका पड़ा है जिसे की चालीस, पचास मस्तिष्को ने तैयार किया है, कहते हुए, "*यह* ठीक है, और *यह* ठीक है, और *यह* अवधारणा," वोट देते है और अपील करते है, और जैसा कि वे करते है, और उसमें से एक नामधारी बनाते है। यह शुद्ध और स्वच्छ, परमेश्वर का वचन बिना मिलावट वाला, परमेश्वर के हाथो से आ रहा है। यह एक वास्तविक उमड़ता हुआ सोता है।

115 ध्यान दे, इसकी सामर्थ का भेद इसी में है। मनुष्य इसे नहीं ढूंढ सकता। इसके नीचे एक प्रकार का दबाव होता है, जो इसे ऊपर की ओर धक्का देता है।

116 मुझे याद है जब मैं, इंडियाना में शिकार का प्रबंधक हुआ करता था, मैं हैरिसन काउंटी गांव से निकला करता था, तो एक विशेष सोता था। वह हमेशा उमड़ता रहता था। और बस, ओह, वह ऐसा दिखता था कि यह सबसे खुश रहने वाली चीज है। चाहे जमीन पर बर्फ पड़ी हो, बर्फ जमी रहती थी, यह कितना ठंडा होता, या वह फिर भी उमड़ता रहता था; जहां कि पुराने मनुष्यों के बनाये हुए हौद और तालाब, मेंढको आदि के साथ, जम जाते थे, बिल्कुल ठोस।

117 और यह ये दिखाता था कि कोई भी नामधारी, आत्मा की थोड़ी सी कमी या वातावरण में थोड़े से बदलाव से जम जाएगा। परंतु परमेश्वर का उमड़ता हुआ सोता, वह—वह तो कल, आज और सर्वदा एक सा है, वह अपने में से हर चीज को उमड़कर बाहर कर देता है और उसे बाहर धक्का दे देता है। और उसमें कुछ नही रुकता। जिस घड़ी भी वह उसमें जाता है, वह उसे धक्का दे कर बाहर कर देता है।

118 वह चीज इस प्रकार से उमड़ती रहती है, एक दिन मैं वहां बैठ गया, मैंने कहा, मैंने सोचा, "मैं विश्वास करता हूं कि मैं उस सोते से बातें करूंगा थोड़ी देर के लिए।" मैंने अपनी टोपी उतार ली, और मैंने कहा, "तू किस

बात को ले कर इतना आनन्दित है? तू किस लिए इतना उमडता रहता हैं? हो सकता है इसलिए कि हिरन तुझ में से पीता हैं, कभी–कभी।"

यदि वह बोल सकता होता, तो वह कहता, "नहीं।"

मैंने कहा, "हो सकता है इसलिए क्योंकि मैं तुझ में से पीता हूं।"

"नहीं, यह बात नहीं है।"

119 मैंने कहा, "भाई तुझे कौन इतना शुद्ध, और इतना स्वच्छ बनाता है? तो यह उछलना क्या—क्या है, जो तुझे उछालता रहता है सारे समय आनंद से भरा रहता है, और तुझ पर कुछ जम भी नही सकता? तू हवा में उछलता है, और वहां कुछ भी नहीं है, साफ पानी।"

120 यदि वह मुझसे बोल सकता होता, आप जानते है तो फिर वह सोता मुझ से क्या कहता? वह कहता, "भाई ब्रन्हम, यह मैं नहीं हूं जो उमड़ता हूं, यह तो कुछ मेरे पीछे से है, जो मुझे उछालता रहता है।" और यह इसी प्रकार से है, यह... यह तो हल्के से शब्द है, परन्तु आप जानते हैं कि मेरा क्या अर्थ है।

121 और इसी तरह से नया जन्म पाए हुए अनुभव के साथ होता है। आप उसे रोक नहीं सकते है। यह आपके अन्दर एक—एक जल का कुंवा है, जो कि अनंत जीवन के लिए उमड़ता रहता है। देखिए, इसमें कुछ तो है, जिससे आपका कुछ मतलब नहीं। मनुष्य के बनाए तालाब जम सकते हैं, और उन्हें बेदारी आदि की आवश्यकता रहती हैं; परन्तु वह मनुष्य जो उस सोते के अधीन होता है, उस सोते में जीवन बीता रहा है, यह दिन और रात है! आपको स्थानीय वर्षा पर निर्भर नही रहना पड़ता है और स्थानीय बेदारियों पर। आप तो इससे भरे हैं। "मैं उसे जीवन का सोता दूंगा, जो कि उसमें, उमड़ता रहेगा।" इसमें कुछ तो है, जो कि हर दिन ताजा रहता है, शुद्ध और स्वच्छ रहता है। यह परमेश्वर का बिना मिलावट वाला वचन आपके ह्रदय और मुंह में है, जो स्वयं को प्रमाणित करता है, अपने लिए बोल रहा है। मैं चिन्ता नहीं करता कि वर्षा हो रही है, या बर्फ गिर रही है, किस प्रकार का मौसम है, आप फिर भी आनंदित रहते है क्योंकि पवित्र आत्मा वहां है जो उमड़ रहा है। यह छुपी हुई सामर्थ है। ध्यान दें। ओह, इसका भेद इसी के अंदर है।

122 जो कोई भी पीता है, यह उसे अपने आप को पूरी स्वतंत्रता से दे देता है, और उसकी चीजों के प्रयोग के लिए। अब आप उसका चुनाव नही

करते, और कहते है, "भाई, अब मुझे मैथोडिस्ट की कलीसिया में बेदारी के लिए जाना पड़ेगा क्योंकि मैं तो मैथोडिस्ट हूं, एक बेदारी के लिए। मुझे *यहां* जाना पड़ेगा, परन्तु (यदि) मुझे पेंटीकोस्टल जाना है क्योंकि मैं एक पेंटीकोस्टल बेदारी वाला हूं।" मैं आपको बताता हूं, जब आप उस पानी के सोते के पास पहुंचते है, उस झरने के, जब आप उससे पी रहे होते हैं, तो उसे कोई अंतर नहीं पड़ता कि, आप उसे कुछ देते हैं जो आता है। आप जीवन की आशा देने की इच्छा रखते है उस कैथोलिक को उस प्रोटेस्टेंट को, यहूदी को, नास्तिक को, या वह जो भी है। आपके पास वास्तव में, कुछ है जो आप में है, वह यह कर रहा है।

123 इस विषय में आप एक और चीज का ध्यान करते हैं, आपको इसे पंप नही करना पड़ता। आपको पम्प करके इसमें से खींचना नहीं पड़ता। मैंने यह बहुत बार देखा है, यहां तक कि इसने मुझे बीमार भी कर दिया, कुछ पंप से खींचना; शोर का संगीत, और ऊपर–नीचे कूदना, या—या बहुत सारा साहित्य वहां शहर में, और एक बड़ा चिन्ह, "इस घड़ी का मनुष्य।"

124 इस घड़ी का केवल एक ही मनुष्य है, और वह यीशु मसीह है, जो कि कल, आज और सर्वदा एक सा है। परमेश्वर की ओर से केवल एक ही संदेशवाहक है, और वह—वह यीशु मसीह है। जी हां, श्रीमान।

125 आपको इसे पंप करके ऊपर और नीचे नही करना होता है। या, नहीं, आपको इसका सदस्य नहीं बनना है। आप बस इसे मुफ्त में ले। आमीन। "मैं जीवन जल का सोता हूं; तुमने मुझे छोड़ दिया, कि जाकर अपने लिए कुछ तालाब बना ले।" अब आपको इसे पंप करते रहना, खींचते रहना, इसका सदस्य बनना, इसे खोदना, और कुछ नहीं करना होता है। आपको इसे स्वतंत्रता के साथ लेना है।

126 आपको मनुष्य द्वारा बनाये गये किसी धर्मविज्ञान की आवश्यकता नहीं है, एक छलनी चिथड़े वाली, ना ही, आपको यह बताना कि आपको क्या–क्या करना होगा, इसने क्या किया है। कुछ भी नहीं। मनुष्य द्वारा बनाया गया धर्म विज्ञान, या कोई शिक्षा की व्यवस्था अपनी बनाई हुई धार्मिकता का धर्म *इस* में, *उस* में, या धार्मिक विधियों के हौद; आपको इसकी आवश्यकता नहीं है। इसे वहां नहीं होना है। आप उस पर चिथड़ा डालते हैं, यह इसे हवा में उडाता है। इसमें कुछ भी नही करना होता है। यह आत्मनिर्भर होता है! यह परमेश्वर की सामर्थ है जो जीवन के लिए उमड़ती है। क्यों एक

मनुष्य इस प्रकार की चीजें छोड़ देगा कि एक व्यवस्था का सदस्य बने, जो मैं कह सकता हूं यह उससे अधिक है। इसमे चिथड़े वाली छलनी की आवश्यकता नहीं है। इसे इसकी जरूरत नहीं है। इसे आवश्यकता पड़ती नहीं... इसे स्थानीय वर्षा पर निर्भर नही रहना पड़ता कि वह इसे भरे। यह हर समय भरा ही रहता है। आमीन।

127 एक व्यक्ति, मैं उसे कहते हुए सुनता हूं, "मैं आज वहां कूड़े के ढेर पर था।" ओह, प्रभु!

128 ओह, मैं परमेश्वर की उपस्थिति में जीवित रहने के लिए आनन्दित हूं, चाहे चीजें सही या गलत चल रही हो। वह मेरा जीवन है। आमीन। वह हमारा जीवन है। वह जीवन है, बहुतायत का जीवन है। जी हां, श्रीमान। और—और देखिए वह हमारे लिए क्या करता है। यह अपने आप में सामर्थ और शुद्धता है। इसे हौद या किसी अन्य प्रणाली से भड़काने की आवश्यकता नहीं है या कोई और विधी।

129 किसी ने कहा कि, "अच्छा, आपका संगति का कार्ड कहां है? आईये देखें यदि आप एक अच्छे बैपटिस्ट हैं। मैं देखूंगा क्या आपके पास कार्ड है।" या—या, "... एक अच्छे पेंटीकोस्टल है... यदि आप एक एकवाद वाले है... दोवाद... तीनवाद वाले है।" या—या "... आप जो भी है।" देखिए, इसे किसी भी भड़काने की आवश्यकता नहीं है। यह हमेशा चलता रहता है। जी हां।

130 आप जानते हैं, मेरे पास यह पुराना हौद हुआ करता था, मुझे इसमें पानी डाल कर बार–बार पम्प करना पड़ता था, उस पुराने खींचने वाले पंप से, कि उसमें से उसे बाहर निकालू; आप जानते हैं, थोड़ा और पानी डालो, इसमें और इसमें इससे कीड़े मकोड़े चले जाते है और–और चीजें, उन कीड़ो और चीजों को पंप करके निकाले। यह कुछ इस प्रकार का है जैसे कि यह नियमशील बेदारियां होती है।

131 परन्तु, परमेश्वर का धन्यवाद हो, "वहां एक सोता लहू से भरा हुआ है, जहां पापी उसमें गोता लगाते हैं!" आप कलीसिया के सदस्य नहीं बनाते; जब वे सोते के पास आते हैं, आप उनमें से मसीही को बनाते हैं।

132 आप क्यों जीवते जल के सोते को छोडना चाहेंगे, कि आप ऐसे गंदे पानी के हौद से पीये?

133 कोई पानी खींचना नहीं; इसकी सामर्थ इसी में है। इसमें खींचने के लिए पानी नही डालना पड़ता है, श्रीमान, क्योंकि (स्वयं में) इसका अपना जीवन इसमें है। इसी प्रकार से परमेश्वर का बीज मनुष्य के ह्रदय में है। परमेश्वर का जीवन उस व्यक्तिगत में है, ना कि कलीसिया में, आप में, यह आप में है, आप ही वह है जिसमें जीवन का जीवांश है।

134 सब प्रकार के पुरोहितों को विश्वास करवाने के लिए इसका बस एक ही स्वाद है। कैथोलिक, बैपटिस्ट के पादरी से पूछो, यह जो भी है। इस बड़े ताजे उमड़ते जल के सोते का केवल एक ही स्वाद है, मैं आपको बता रहा हूं, यह ये विश्वास दिला रहा है कि यह सत्य है। आपका भूखा प्राण, कैसे भी इसकी प्यास के लिए प्यासे को विश्वास करवा रहा है। अब यदि आप प्यासे नहीं हैं... यह छोटा बैपटिस्ट आरंभ से ही प्यासा नहीं है; परन्तु जब यह प्यासा हो, तो पानी का स्वाद बहुत ही अच्छा होता है। यह सही है, परन्तु आपको प्यासा होना है, "वह धन्य प्यास," जैसा कि यीशु ने पुकार कर कहा। "धन्य हो तुम जो धर्म के भूखे और प्यासे हो, क्योंकि तुम तृप्त किए जाओगे।" आमीन। और यीशु ने कहा कि, मित्र। जी हाँ, श्रीमान, प्यासों के लिए यह धन्य सोता है।

135 क्यों इसे कोई भी दलदली भूमी से बदले? कैसे भला आप एक उमड़ते सोते को दलदल के पानी को बदलना चाहेंगे, जो कीड़े और गंदगी से सब प्रकार के मनुष्य के बनाए धारणओं से भरा है, जिसमें की परमेश्वर ने कहा कि, "उसके वचन में एक भी मिलाना, या उसके वचनों में से एक भी निकालना, उसका भाग जीवन की पुस्तक से निकाल दिया जाएगा"?

136 और जब परमेश्वर ने यह प्रतिज्ञा दी कि वह इस वचन को हर पीढ़ी में प्रमाणित करेगा, "क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम और तुम्हारी सन्तानों से, और उन दूर– दूर के लोगो से है, जितनों को प्रभु हमारा परमेश्वर अपने पास बुलाएगा," क्यों आप किसी यन्त्रिक पंप को चलाए जो कि वर्षों से गंदा पड़ा है, किसी पुराने मन्ना से? हो सकता है मन्ना सही है, उसके विरोध में कुछ नहीं, मार्टिन लूथर के दिनों में, *इसके* दिनों में और *उसके* दिनों में, और दूसरे सुधारको के, इसके बारे में कुछ नहीं; परन्तु वह मन्ना तो बहुत पहले गिरा था।

137 यदि हम बाईबल में ध्यान देते है, कि उन्हें हर दिन लेना होता था। उन्हें नया ही लेना होता था। जब ये थोड़ा पुराना हो जाता था, तो वह सड़

जाता था। यह बिना तोड़े सड़ नहीं सकता था। इसके अन्दर जीवाणु होने थे, या कुछ ऐसा जो—जो इसे सड़ा दे। हम जानते हैं कि यह ऐसा ही था।

138 और तंत्र भी इसी प्रकार से है! जब यह एक बड़ी बेदारी से दूसरी बेदारी तक पड़ा रहता है, तो यह दूषित हो जाता है और कीड़ो से भर जाता है, जैसा कि हौद पूंछदार कीड़ो से भर जाता है, जैसे कि हम इसे कहते है, छोटे कीड़े उसमें तैरते रहते है।

139 और आज बहुत से लोगों के अनुभव में यही बात होती है। वे—वे पूंछदार कीड़ो से भरे हुए हैं, इधर से उधर भाग रहे है, और एक से दूसरे के पास, कहानियों सुना रहे है, जिसमें बिल्कुल भी सत्य नहीं है। यह सही बात है, एक से दूसरे के पास भाग रहे है। "मैं एक मेथोडिस्ट था; मैं बैपटिस्ट का सदस्य हो गया। मैं एक कैथोलिक था; मैं *यह* होना चाहता था। मैं *वहां* चला गया।" यह बस तैरती हुई पूंछे है।

140 ओह, सारी बातों को भूल जाओ, सोते के पास आओ, (आमीन!) उमड़ते सोते के पास, मसीह की सदा जीवित उपस्थिति! मैं उसमे ना समाप्त होने वाले जीवन के सोते में विश्वास करता हूं। जितना आप उससे लेते हैं, आप ताजा ही पाते है, और ये और ठंडा होता जाता है, और फिर और ये जितना अच्छा होता जाता है, और उतना स्वाद में मीठा होता जाता है। मैं पिछले तैंतीस वर्षों से उसकी सेवा कर रहा हूं, और हर दिन वह पिछले दिन से अधिक मीठा हो जाता है। मैं कभी नहीं... उसने कहा यदि तुम इस जल में से पियोगे तो फिर कभी प्यासे ना होंगे। ध्यान दे यह कितना महान है। ओह!

141 इस्राएल ने वैसा ही किया जैसा आज लोग करते हैं, उन्होंने जीवन जल के सोते को त्याग दिया, और अपने लिए हौद खोदने चले गए।

142 अब एक क्षण के लिए अनुग्रह के विषय में बात करते है, परमेश्वर का अनुग्रह क्या है। हमारे पास नियम और उप–नियम है, "और यदि आप इसके माप दण्ड के अनुसार नही नापते है... मेरे पास धार्मिकता का माप दण्ड है; यदि आप इसके माप के अनुसार नहीं हैं, तो आपको करना होना है, आप अंदर नहीं आ सकते," और आदि–आदि। परन्तु परमेश्वर ने हमें अनुग्रह के द्वारा बचाया है, ना कि नापने वाली छड़ी के द्वारा। समझे? परन्तु अब परमेश्वर, अनुग्रह के विषय में बात करता है, कि यह कैसे हुआ, उसमें से पीने के द्वारा, इस मापने की छड़ी से...

143 बुड़बुड़ाने वाले, बुड़बुड़ाते इस्राएली। देखिए, उसने कहा, "और मैं तुम से फिर मिलूंगा।" वचन में ध्यान दें। ध्यान दें, वह उनके साथ कोशिश कर रहा है, कि उनसे फिर मिले। बुड़बुड़ाते हुए इस्राएलीयो को, लाल सागर पर निमंत्रण दिया मिस्त्र के ठहरे हुए पानी में उसके पीछे–पीछे चले, कि एक स्वतंत्र लोग बने। वे एक गुलाम थे। उनको उसके साथ जयवन्त लोग होने के लिए निमंत्रण दिया गया। मृत सागर में से होकर निकले, मृत सागर; बल्की, लाल सागर, उसमें से निकल कर आये, और जंगल में चले गए, कि अपने और नकल करने वालों के बीच अलगाव लाये, उनके और नकल करने वाले, उसकी नकल करने की कोशिश करते है, बिना खतने के।

144 ओह, यही परेशानी का कारण है। उनमें से हर प्रत्येक जंगल में नाश हो गये ठीक यहाँ जंग–... या ठीक—ठीक यहाँ संमुद्र में, फिरौन और उसकी सेना। उन्होंने मनुष्य जाति को अलौकिक सामर्थ के द्वारा चलते हुए देखा, इसलिए वे उनको घेर कर और उनकी नकल करने की कोशिश की, बिना आशीष में शामिल हुए। और जब उन्होंने यह किया, वे नष्ट हो गए। यह शारीरिक तुलना है।

145 एक मनुष्य जो यह करने का यत्न करता है, किसी चीज की नकल करने की कोशिश करता है, तो फिर वह शारीरिक तुलना एक वास्तविक मसीही से करता है।

146 मेरा भारतीय भाई यह जानता है। वहां बंबई में आया और आप वहां लोगों को देखेंगे, हिंदू और बहुत से कांटों पर लेटे हुए और... कांच पर चलते हुए और—और आग पर चलते हुए, यह दिखाने के लिए कि वे क्या कर सकते हैं, और इस प्रकार की चीजें... यह किसी मनुष्य की जो जंगल में है, उसकी शारीरिक नकल है, जो वह अपने देवता के लिए बलिदान कर रहा है।

147 यह सारे धार्मिक जीवन में है, यह शारीरिक नकल है, कि कोई किसी के समान बनना चाहता है। केवल एक ही आदर्श है जिसके समान आपको होना है, वह यीशु के समान, जो कि वचन था। और फिर जब परमेश्वर का वचन आपके पास आता है, उसी प्रकार से होगा।

148 परन्तु परमेश्वर उनकी अगुवाई करके प्रतिज्ञा के देश में ले गया। उन्होंने भी जब जंगल में से होते हुए यात्रा आरम्भ की अब बहुत सारे हौद पाये, अब उनके अलग हो जाने के बाद, उन्होंने पाया कि उनके लिए हर तालाब

सूखा था।

149 भाई आप भी वही चीज को पाएंगे, जब आप प्रतिज्ञा के देश के लिए इस यात्रा को आरंभ करेगे। आप दरवाजो को बंद पायेंगे। जैसा कि छोटे से प्रचारक ने कहा, एक एंग्लिकन ने, या वह जो भी था, और, पहली बात आप जानते हैं, उसकी कलीसिया ने उसे बाहर कर दिया। देखो, जब तक कि उसके पास पवित्र आत्मा पाये, बहुत सारे लोग थे और यह इसका अंत है।

150 और हम... और इस्राईल ने भी वही चीज पायी, एक उदाहरण, उनकी प्रतिज्ञा देश की यात्रा में। सारे तालाब सूखे हुए थे। जी हाँ, उनकी यात्रा आज्ञाकारिता में उसके प्रतिज्ञा के वचन में, उनकी यात्रा, और उन्होंने तालाबों में, सुखा पाया। अब उन्होंने पाया वे तालाब—तालाबो पर उनकी यात्रा के लिए, निर्भर नहीं हो सकते थे।

151 और यदि आप परमेश्वर के वचन की आज्ञाकारिता में यात्रा करने जा रहे हैं, और *इसकी* या *उसकी* सदस्यता लेने का यत्न करते हैं, आप यह पायेंगे कि संसार का कोई तालाब इसका समर्थन नही करेगा। बिल्कुल भी नहीं। आप एक व्यक्तिगत है। और परमेश्वर आपकी अगुवाई उसी प्रकार से करेगा जैसी वो आपकी अगुवाई करना चाहता है। तब, हम आज वही चीज पाते है, और सारे तालाब सूख गए हैं।

152 परन्तु परमेश्वर की सारी प्रतिज्ञाये सच्ची है, परमेश्वर की प्रतिज्ञाये जो वह उसके लोगो के लिए बनाये रखता है। उसने उनकी सारी आवश्यकताये पूरी करने की प्रतिज्ञा दी थी, और इसलिए उसने किया। उन खाली, सूखे तालाबों के बीच में, जरा सोचिए, और इस्राएल की शिकायते, उस रेगिस्तान के यात्रा में, उसने अपने दास–अगुवे को बुलाया, मूसा भविष्यवक्ता को, बाहर एक ओर, और जीवन जल के सोते को खोल दिया, उस मारी हुई चट्टान से, ताकि उसके विश्वास करने वाले बालक मारे ना जाये।

153 इस दिन में, जो मुझ से अनुग्रह की बातें करता है। हम योग्य नही है। जिस प्रकार से हमने किया है, जिस प्रकार से हम जीवित रहे, हम योग्य नही हैं।

154 परन्तु परमेश्वर ने, इस दिन में, ठीक यहाँ इस सुबह, देखो, मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, कैथोलिक, और उन सब को देखे कि, उसने सोते को खोल दिया है। इब्रानियों 13 इस बात को प्रमाणित करता है, कि वह

कल, आज, और सर्वदा एक सा है। तो इस—इस प्रकार से यह, यूहन्ना 3:16 को सच्चा बनाता है, "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा, कि उसने अपना एकलौता पुत्र दिया, ताकि जो कोई भी उस पर विश्वास करे, वह नाश ना हो, परंतु अनन्त जीवन पाए।"

155 और इस मिश्रित कारण से उठाया गया, क्योंकि लोग बड़बड़ा रहे थे और पाप कर रहे थे, और उन्हें सापों ने काटा और वे मर रहे थे; और उनके पापों की क्षमा के लिए, और उनकी बीमारी की चंगाई के लिए।

156 और वह वही सोता है जो आज हमारे लिए खुला है, हमारे उद्धार के लिए और हमारी चंगाई के लिए, शारीरिक चंगाई। "क्योंकि वह कल, आज, और सर्वदा एक सा है।"

157 और जब परमेश्वर के प्रतिज्ञा किए हुए वचन के द्वारा आज्ञानुसार चट्टान को मारा गया, तो यह शुद्ध जल के तेज बहाव में बह निकला; ना कि—ना कि रुका हुआ, ना कि गंदा, परन्तु परमेश्वर की अपनी उपस्थिति। शुद्ध जल, और वह सब जिसने भी पीया बच गए। अब हम जानते हैं कि यह सत्य है, क्योंकि हम यह पुराने नियम में प्रतीक के रूप में पढ़ते हैं।

158 अब, आपको इसे खींचना नहीं है, ना इसे पंप करना, कि सदस्य बने, कि धर्म विद्यालय में जाये कि सीखे कि इसका उपयोग कैसे करना है। वे आपको सिखाएंगे कि इसको कैसे प्रयोग करे, देखो, "ओह, भाई, यदि आपने पवित्र आत्मा पा लिया है, हम यह विश्वास करते हैं, लेकिन सो आप—आप *इस* प्रकार से करे।"

159 परन्तु, आप देखिए, इसका कोई नियंत्रण नहीं है। आप पवित्र आत्मा का उपयोग नहीं करते हैं; पवित्र आत्मा आपका उपयोग करता है, देखिए। देखिए, आप नहीं, आपको पवित्र आत्मा का प्रयोग नहीं करना है; पवित्र आत्मा ने आपको लिया है। एक वरदान कुछ ऐसा नहीं है कि आप लेते है, जैसे एक चाकू, और इससे पेंसिल को छिलते हैं। यह तो अपने आपको परमेश्वर को समर्पित करना होता है, और अपने आप को मार्ग में से हटा लेना ताकि पवित्र आत्मा आपको प्रयोग करे।

160 ध्यान दें, उनको इसे पंप नही करना है, या इसे खींचना या उनको इसे कभी भी पूछना नहीं था, "अब हम इस जल को कैसे प्रयोग करे?" क्योंकि, वे जानते थे कि इसको कैसे प्रयोग करना है। वे प्यासे थे। वे जानते है कि आपको इसके साथ क्या करना है।

161 और ऐसे ही एक पुरुष या स्त्री होता है, चाहे जो भी मतसार या नामधारी हो जिससे वह संबंधित है। यदि उसे परमेश्वर की प्यास है, तो उसे धर्म विद्यालय में वापस नहीं भागना है, जैसा इस एंग्लिकन भाई ने किया था, या ब्रिटिश भाई ने, पिछली रात्री, वापस जाकर और एंग्लिकन कलीसिया से परामर्श लिया कि, जो महान वरदान उसे मिला है उसका प्रयोग कैसे करे, अन्य भाषा में बोलना, और उसे *यह* कैसे करना चाहिए। नही तो आरंभ से ही वे उसे बाहर निकाल देते। समझे? वह प्यासा था, इसलिए बस परमेश्वर ने उसे भर दिया। इसके लिए वहां बस यही था। यह प्यास होती है, और फिर वो भरता है।

162 आपको उसे कोई नियंत्रित नहीं करना है, कोई आपको बताता है कि इसके साथ क्या करे। परमेश्वर हर एक जन की व्यक्तिगत अगुवाई करता है, उसी—उसी मार्ग पर जिस पर वह चाहता है कि आप जाये। आप स्वयं एक—एक व्यक्तिगत हैं। आप परमेश्वर के भाग है। आपका स्थान कोई और नहीं ले सकता। और किसी के पास जाने का कोई मार्ग नहीं है, और अब, कहते है, मुझे "इसके साथ *ऐसा* करना है," या मुझे "उसके साथ *ऐसा* करना है।" नहीं, श्रीमान। परमेश्वर इसका प्रयोग उसी—उसी प्रकार से करता है जैसा वह चाहता है। जब आप प्यासे हैं, तो आप पर्याप्त पीना जानते हैं।

163 और यदि आप आज प्रात: प्यासे हैं, तो इसमें से पीये, बस आपको यही करना है। परमेश्वर ने उनकी प्यास के लिए एक मार्ग को प्रदान किया है, प्यासे बालको को स्वयं में स्वतंत्रता से भागीदार हो। और परमेश्वर ने हर पुरुष और स्त्री के लिए एक मार्ग को प्रदान किया है, इस प्रात: जो भी भूखा और प्यासा हैं। सम्भवत: यहां लोग बैठे हुए हैं, कभी भी बचाए नही गए। यहां पर लोग बैठे हैं जो कि बचने के कगार पर हैं कि बच जाये।

164 यह लोग एक कलीसिया के सदस्य के समान बैठे हैं कि आप सही करना चाहते हैं, परन्तु आप तालाब से पी रहे हैं। वे आपको ये सत्य कभी भी नहीं बताएंगे।

165 आने के लिए केवल एक ही चीज है, कि परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं को ले और सोते के पास आ जाये, तब वह प्यास को बुझा देगा। "वह जो इस सोते से पीता है, फिर कभी प्यासा ना होगा।"

166 ध्यान दें अब कैसे—कैसे उसने उसके—उसके अपनो को स्वतंत्र

किया जिन्होंने अनुग्रह से इस जल को ग्रहण किया, और किसी व्यवस्था के द्वारा नही या एक शिक्षा के हौद द्वारा। उसने अपने वचन को प्रमाणित किया कि यह जीवन दायक स्त्रोत है। कितने यहाँ पर इस बात को जानते हैं कि आपने जीवन पाया जब आपने उस वचन को लिया और उसके जल को, बस आप यह जानते हैं कि आपने जीवन ग्रहण किया है?

167 आईये, उदाहरण के लिए, एक या दो और उदाहरण ले, और फिर मैं बंद करने जा रहा हूं कुछ ही क्षण में। मेरे—मेरे पास कहीं वह बटन होना चाहिए। परन्तु ध्यान दें। मैं बात करता जाता हूं, परन्तु मेरा ऐसा करने का अभिप्राय नहीं है। चलिए, आइये उदाहरण के लिए लेते हैं, थोड़े से लोग।

168 आइए एक स्त्री को याकूब के कुंए पर लेते है, खोदा हुआ कुआं। वहां वह बैठी हुई थी। वह बस इतना ही जानती थी, यह कुंवा है और वहां वह पानी लेने आती है। और वहां कुएं के सामने उसने उस छोटे से दृश्य में पाया, कि एक मनुष्य वहां बैठा है, जो एक यहूदी है। और वह सामरी है, यह सूखार का एक नगर है। और हम पाते हैं कि यह मनुष्य, यह यहूदी ने कुछ विचित्र से वचन इस स्त्री से कहे, कहा, "मेरे लिए पानी ला।"

169 अब उसने कहा, "हम में अलगाव है। तेरे लिए यह ठीक बात नहीं—नहीं है कि तू मुझसे इस प्रकार का प्रश्न करे; तू यहूदी होने के नाते, और मैं एक सामरी हूं।"

170 उसने कहा, "यदि तू जानती कि तू किससे बात कर रही है, तो तू मुझसे पानी को मांगती, और मैं तुझे जल देता कि तुझे इस कुंवे पर पीने को नहीं आना पड़ता; तुझ में जीवन जल फूट पड़ता।" ध्यान दे जब उसने पाया कि यह सत्य प्रमाणित हो गया!

171 अब, पहले, कोई भी मनुष्य यह कह सकता था। परन्तु उसने कहा, "तुम कहते हो येरूशलेम में आराधना करो, और हम इस पहाड़ पर आराधना करते हैं।"

172 उसने कहा, "उद्धार यहूदियों का है। हम जानते हैं कि हम क्या विश्वास करते हैं। परन्तु," कहा, "मैं तुझे एक बात बता दूं," इस प्रकार के शब्दों में, "ना ही इस पहाड़ पर, या येरूशलेम में। समय आ रहा है जब मनुष्य परमेश्वर की आराधना आत्मा और सच्चाई में करेगा, क्योंकि पिता ऐसे ही को ढूंढता है।" उसने कहा, "जा अपने पति को बुला कर ला।" ध्यान दे,

यहाँ यह प्रमाणित करता है। यहाँ दर्शाता है कि वह किस सोते के पास थी। कहा, "जाकर अपने पति को यहां बुला कर ला।"

उसने कहा, "मेरा कोई पति नहीं है।"

173 उसने कहा, "तूने सच कहा है।" देखिए, यह ऐसा प्रतीत होता है कि यह स्पष्ट विरोधाभास है जो उसने उससे कहा, और कहा, "जाकर अपने पति को बुला।"

बोली, "मेरे पास कोई पति नहीं है।"

174 कहा, "तू ने सच कहा।" कहा, "क्योंकि तेरे पास पांच थे, और वह जिसके साथ तू अब रह रही है, वह तेरा नहीं है।"

175 उस स्त्री ध्यान दे, जो कि आज के पादरियों से कितना भिन्न है! उस दिन के पादरियों ने वही चीज घटित होती देखी, और कहा, "यह शैतान है, एक मस्तिष्क पढ़ना, या—या एक बालजबूब।" देखिए, वे उस दिन के प्रतिज्ञा के वचन को देखने में असफल रहे।

176 परन्तु वह छोटी स्त्री किसी भी पादरी से अच्छा वचन को समझती थी। उसने कहा, "श्रीमान, मुझे प्रतीत होता है कि तू एक भविष्यव्यक्ता हैं। चार सौ वर्षों से हमारे पास नहीं है, मलाकी के बाद से। परन्तु," कहा, "हम एक की प्रतीक्षा कर रहे है, और हम जानते हैं कि एक आ रहा है, वह मसीहा। और जब वह आता है, यही होगा जो वह करेगा।"

यीशु ने कहा, "मैं वही हूं।" आमीन।

177 क्या आपने ध्यान दिया, उसने अपना घड़ा याकूब के कुंवे पर छोड़ दिया, नगर की ओर दौड़ी; उमड़ते हुए सोते से भरी हुयी! उसने उसे सिद्ध और प्रमाणित होते हुए देखा, और वह वो जीवन का सोता था। मैं आपका उससे परिचय करवाता हूं। उसने उसे छोड़ दिया; जब वह जीवन का वचन सिद्ध हो गया था। उसे छोड़ दिया; और उसी चट्टान को पा लिया था, जिसे जंगल में मारा गया था, और सिद्ध हो गया कि तब वह वहां उपस्थित था।

178 मैं यह कहूं, कि वही परमेश्वर जो उन बीते दिनों में था, जिसके विषय में हमने बहुत कुछ बोला, वह अब यहां पर उपस्थित है; ना कि किसी धर्मज्ञान की समझ के द्वारा, परन्तु उसके प्रमाण के व्यक्तिगत ज्ञान के द्वारा कि वह अंतिम दिनों में अपना पवित्र आत्मा उसकी कलीसिया पर उंडेलेगा। वह एक "मैं था" नही है। वह अब भी "मैं हूं," है, सदा, वर्तमान काल।

179 तब उस हौद ने अपना स्वाद खो दिया। और इसी प्रकार हर मनुष्य ने जो कोई भी परमेश्वर की सामर्थ में, पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के द्वारा आया, नामधारी व्यवस्था ने अपना स्वाद खो दिया। अब आप वह ठहरे हुए जल के मेंढक, और छिपकलियों, और कीड़े–मकोड़े और आदि–आदि नही चाहते। आप उस ताजे, शुद्ध सोते के द्वारा पी रहे हैं, वह परमेश्वर का वचन, जो आपके प्राण में हर घड़ी ताजा रहता है। वैसे ही जैसा अब, जबकि वचन सत्य सिद्ध हो गया है, और चखे और देखे क्या यह ऐसा सही नहीं है।

180 यद्यपि हौद ने अपनी अच्छी सेवा करी, अपने समय में अच्छी सेवा करी; परन्तु, आप देखिए कि जीवन का सोता वहां पर था, अब याकूब का कुआं, आत्मिक पीने के लिए और नही। उन्होंने क्या सोचा, यदि वे उस कुएं से पीएंगे, क्यों, यह ठीक रहेगा; परन्तु अब जीवन का सोता खुद ही वहां पर बैठा हुआ था।

181 अब हमें व्यवस्था और संस्था जो हमारे पास थी उसकी आवश्यकता नहीं है। हम अंत के समय में हैं। और परमेश्वर ने अन्त के समय में प्रतिज्ञा की है, वे चीजें जो वह करेगा। और उसे हम वचन में पूरा होते हुए देखते हैं। हम सुनते हैं कि सेना की सामर्थ खड़ी हुयी है, और थरथराते हुए कह रही है, "कुछ तो घटित होने को है।" हम अनुभव करते हैं कि पवित्र आत्मा हमें चेतावनी दे रहा है कि कुछ घटित होने को है। हम देखते है हर चीज अपने क्रम में हैं। तो, फिर उस व्यवस्था को छोड़ कर और सोते के पास आ जाओं। जी हां, श्रीमान।

182 इसके उद्देश्य को पूरा किया, परन्तु अब वह इस सोते के आमने–सामने थी।

183 यूहन्ना 7:37–38 में, यीशु ने मंदिर के पर्व के अन्त के दिनों में कहा (उसने क्या कहा?), "यदि कोई मनुष्य प्यासा है, तो वह मेरे पास आकर, और पीये।" ठीक उन धर्मज्ञानियों के झुण्ड के बीच में! "यदि कोई मनुष्य प्यासा है, तो मेरे पास आए, और पीये। क्योंकि वचनों ने कहा, कि उसके अन्दर से जीवन के जल की नदियां फूट निकलेगी।"

184 वहां जीवित सोता है। यही वो सोता है जिसे आज लोग छोड़ चुके है। उस मतसार के लिए, उन्होंने जीवित जल के सोते को छोड़ दिया। मै आप से उसकी भेंट कराता हूं। वह, मेरे लिए... और अब मैं बंद कर रहा हूं।

185 वह, मेरे लिए, वह हाजिरा के जीवन का सोता है, और उस बच्चे ले लिए, जब वे जंगल में मर रहे थे।

186 मैं विश्वास करता हूं कि वह यशायाह 32 की चट्टान है, वह उस थका देने वाले देश में एक चट्टान है। वह तूफान के समय में शरण स्थान है।

187 जकर्याह 13, वह वो सोता है जो दाऊद के घराने में पापों के लिए फूट पड़ा। मैं उसका ऐसा ही होने का विश्वास करता हूं। क्या आप नहीं करते?

188 भजन संहिता 36:9 में, वह दाऊद के जीवन का सोता है। वह अब भी दाऊद का सोता है, और हरी–हरी चरागाहें। वह दाऊद के लिए बहता हुआ सोता है।

189 उत्पत्ति 17 में, वह अब्राहम को पिलाने वाली छाती है, एल शदाई। परंतु जब उसका जीवन उसमें से निकल गया, तब भी वह... परमेश्वर ने कहा।

190 "एक सौ वर्ष का मनुष्य, यह चीज कैसे होगी? मैं बूढ़ा हूं, मेरी पत्नी बूढी है, तो यह बातें क्यों कर होगी? "

191 उसने कहा, "मैं एल शदाई हूं।" अब, *एल* "वो" होता है, और—और *शद्दाई* "स्त्री की छाती," और शद्दाई बहुवचन है, जिसका अर्थ "मैं छाती वाला परमेश्वर हूं।"

192 जैसे एक बच्चा चिडचिड़ा रहा है और यह बीमार है, और उसकी ताकत चली गयी है, अपनी मां की छाती पर झुका हुआ और अपनी शक्ति को वापस पा लेता है। निश्चय ही। केवल यही नहीं... जब वह पी रहा होता है, तो फिर और नही चिडचिडाता है। मां की छाती पर, यह संतुष्ट हो गया, जब वह उसकी शक्ति को पा रहा है।

193 और कोई भी मनुष्य जो परमेश्वर की प्रतिज्ञा को अपने हृदय में लेगा, कि, "प्रतिज्ञा तुम से, और तुम्हारी सन्तानों से उन के लिए जो दूर–दूर हैं, जितनो को प्रभु हमारा परमेश्वर बुलाएगा, " और उसके सामने रखेगा और आपकी सामर्थ को वापस करेगा। बैचैन बालक, इसका विश्वास करें! यह विश्वासियों के लिए है।

194 विश्वासी कवि के लिए, मैं बहुत से गीत याद कर सकता हूं जो कवियों ने हमारे लिए लिखे। उनमें से एक ने एक बार कहा, वह:

वहां एक चश्मा लहू का बहता है,

जो इम्मेनुएल की शिराओ से निकला,
जब पापी उस में गोता लगाते है,
अपने सारे दोष और दाग धो डालते है।

कि मरता चोर इसे देखकर आनन्दित हुआ
कि सोता उसके दिन में;
वहाँ हो सकता है मैं, भले ही घृणित जब वो,
मेरे सारे पाप धो डाले।

और कभी जब से विश्वास के द्वारा मैंने उस धारा को
देखा
जो तेरे जख्मो से बह रहा हैं,
छुड़ाने वाला प्रेम मेरा विषय रहा है,
और मेरे मरते तक रहेगा।

195 मेरे लिए, वह अलग करने वाला वचन का जल है, जो कि आपको हर उस चीज से अलग करता है जो उसके वचन के विरोध मैं है। मैं उसका वह सोता होने का विश्वास करता हूं। जी हां, श्रीमान। ये, वह जल है जिसने मुझे मनुष्य के बनाए हुए हौदो से, उस जीवन जल के लिए अलग किया है। ओह, मित्रो, मैं बस... आप आगे और आगे जा सकते हैं, उन चीजों के साथ जो—जो वो हमारे लिए है! वह अल्फ़ा और ओमेगा है। वह आरंभ है, वो अंत है। वह वही है जो था, जो है, और आयेगा। वह दाऊद की वंश और संतान है। वह भोर का तारा है। वह मेरा सब कुछ है।

196 और, भाई, बहन, यदि आपके पास यह एक—एक नही होता था... और आप उस मनुष्य के बनाए गए तालाबो से अपने सारे जीवन भर पीते आ रहे है, तो क्यों नहीं आज प्रात: उस तालाब को छोड़कर और इस सोते के पास आ जाते?

197 अब एक क्षण के लिए हम अपने सिरों को झुकायेगे। अपने झुके हुए सिरों के साथ... [एक बहन अन्य भाषा में गाना गाती है। टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] ... मेरी विचार में, वेदी की पुकार। अब कितने लोग है?

198 मैं—मैं बहुत ही अधीर था, मैंने—मैंने आपको बहुत देर से रोका हुआ है, मुझे अपने संदेश को टुकड़ो-टुकड़ो में करने को लगाया। परन्तु मैं विश्वास करता हूं कि पवित्र आत्मा चाहता है कि आप समझे ले कि मेरा क्या अर्थ है। देखिए, इस दिन परमेश्वर के साथ सही संबंध बनाने से

अधिक महत्वपूर्ण कुछ भी नहीं है; देखो, हमारा भोजन, यह जो कुछ भी है, जो भी है। प्रभु यहां पर है। अब, मैंने अपने जीवन में इस विषय में केवल एक बार सुना है, इस समय से।

199 अब कैसे... आप सारे जो यहाँ है, ना कि "कितने है।" आप सब जो यहां उस से पीना चाहते हैं, जरा एक मिनट के लिए खड़े हो जाये, प्रार्थना के लिए। परमेश्वर आपको आशीष दे। प्रभु आपको आशीष दे।

200 अब यहाँ पर कितने लोग है, जो—जो अब उपस्थित खड़े हुए है, कहेंगे, *इस* तरह से ऊपर उठे हुए हाथों के द्वारा, "परमेश्वर, मुझ पर मंडराए, बस मुझे भर दे, मुझे इस सोते से पीने दे। और मैंने वो नहीं किया जो ठीक है, परन्तु मैं—मैं चाहता हूं कि आप मुझे इस बात के लिए क्षमा कर दे। मैं चाहता हूं कि आप मेरे पाप धो दे। और ऐसा—ऐसा—ऐसा हो मैं—आज के दिन से, बस... "? जरा देखिए! प्रभु!

एक चश्मा जो खून से भरा है,
जो कि इम्मेनुएल की नसों से निकला है,
और पापी उसमें गोता लगा कर,
अपने सारे दोष और दाग धो देते है।
अपने सारे दोष और दाग धो देते है,
अपने सारे दोष और दाग धो देते है;
और पापी उस बहाव में गोता लगा कर,
अपने सारे दोष और दाग धो देते है।

201 अब, आप जो मसीही विश्वासी है, आपने मसीह को अपना व्यक्तिगत बचाने वाला स्वीकार किया है, परन्तु आपने अभी तक... अब यदि आपने नहीं किया है, तो यहां वह सोता है। केवल एक जिसके विषय में मैं जानता हूं ये है कि इम्मेनुएल की नसों से है। अब, और यदि आप में से बहुत से जो यहां...

202 यह इस प्रकार से है जैसे मैं उस रात्री छोटे उकाब के विषय में बात कर रहा था, बाड़े पर चूजों के साथ घूम रहा था। और वह सिवाये चूजों के कुछ भी और नहीं जानता था, परन्तु वह यह जानता था कि कुछ तो ऐसा है जो उसमें चूजों से भिन्न है। और फिर उसकी मां उसे ढूंढती हुई आयी, और वह ऊपर से चिल्लाई। यह उकाब की पुकार थी। देखिए, उसे आरंभ से ही उकाब होना था, या फिर वह उसे कभी भी उस पुकार को नहीं पहचान

पाता। देखिए, वह...

203 वहां कुछ अंकुरित हुआ होना चाहिए, या फिर ये कभी जीवन उत्पन्न नहीं कर सकता। और वह बीज, परमेश्वर का वचन, आप में है, तो पवित्र आत्मा यहां अंकुरित करने के लिए है जो कि आपके अन्दर वास्तविकता को लेकर आये।

204 कितने यहां पर है जिन्होंने पवित्र आत्मा का बपतिस्मा नहीं पाया है, क्या आप अपने हाथ उठाएंगे? चारों ओर, हर जगह, वास्तव में ईमानदार, यदि आपने पवित्र आत्मा नहीं पाया है, और आप चाहते हैं, to अपने हाथ को ऊपर उठाये। आप जहां कहीं भी है, एक क्षण के लिए अपने हाथ को ऊपर रखें।

205 अब मैं चाहता हूं, आप जो चारों तरफ खड़े है और उन्हें देख रहे हैं, मैं चाहता हूं कि कोई अपने हाथों को उनके ऊपर रखे।

206 मैं इसी समय विश्वास करता हूं आप में से जो इसे चाहता है हर एक पवित्र आत्मा से भर जायेगा। अब वहां कैफेटेरिया में अपने खाने के विषय में ना सोचे। आईये इस खाने के विषय में सोचें। यही है। यह जीवन है। देखिए, यह जीवन है।

207 अब आप में से प्रत्येक घूम कर, और एक दूसरे पर अपने हाथ रखे। "और उन्होंने अपने हाथ उन पर रख लिए है!" अब मैं चाहता हूं कि आपने जिस पर हाथ रखा है उस व्यक्ति के लिए प्रार्थना करें...

208 अब बाहर जाने के लिए ना सोचे। किसी भी चीज के लिए ना सोचे। बस अब यह सोचे, कि पवित्र आत्मा यहाँ हर एक व्यक्तिगत को भरने के लिए है। अपने ह्रदय को खोले, हौद के सारे पानी को बाहर फेंक दे, और कहे, "ओह जीवन के सोते, मेरे पास आ जा। मुझे भर दे, हे प्रभु परमेश्वर, तेरी भलाई और अनुग्रह से।"

209 प्रभु यीशु, यह ना समाप्त होने वाला सोता है! मैं प्रार्थना करता हूं, कि आप इनमें से प्रत्येक को भर देंगे। होने पाए पवित्र आत्मा यहां उतरे। मैं प्रार्थना करता हूं, हम परमेश्वर, किसी भी चीज के विषय भूल जाएंगे; कि अभी–अभी पवित्र आत्मा हमारे बीच में उतरा है, और हमें जीवन के जल को, मुफ्त में, हर कहीं से देगा। हे परमेश्वर, इसे प्रदान करे। जबकि वो—वो प्रार्थना और गीत एक साथ निरंतरता एक साथ मिश्रित हो रहे है, प्रभु, यह जानते हुए कि यह आपकी उपस्थिति है, आपकी दिव्य उपस्थिति

है, हम सोते के पास आना चाहते हैं। हम वास्तविक मूल पवित्र आत्मा का बपतिस्मा चाहते हैं। प्रभु, यह लोग इसके लिए प्रार्थना कर रहे हैं। मैं प्रार्थना करता हूं कि, ठीक इसी क्षण में, वे अभी परमेश्वर की इस भलाई से भर जाये। इसे प्रदान करे, हे परमेश्वर। अपने बालकोण की प्रार्थना को सुने। होने पाए आप उनके प्राण में आ जाये, होने पाए परमेश्वर की सामर्थ, और पवित्र आत्मा, उन पर छा जाए। परमेश्वर, इसे प्रदान करें।

210 ओह इस ताजगी के लिए हम आपको धन्यवाद करते हैं, स्वर्ग के सामर्थी परमेश्वर की उपस्थिति के लिए, हमारे बीच में खड़ा हुआ! ठीक इस दोपहर के समय, प्रभु, हमें खिलाये! प्रभु, हम आपकी मेज पर से खाना चाहते हैं। प्रभु, हमें इसी समय खिलाये। हमें पवित्र आत्मा से खिलाये, हमारे जीवन में। हमारे भूखे झुलसे हुए प्राण प्यासे हैं। जैसा कि आपने गीत के अनुवाद में कहा, "यह झुलसी हुई भूमी पर पानी उंडेलेगा।" प्रभु, यह होने दे। तेरा वचन तेरे बालको के ह्रदय में प्रगट होने पाए, "सूखी, झुलसी हुई भूमी पर पानी को डाले।" अनंत परमेश्वर, अपने दासो की प्रार्थना को सुन ले, और हमें वह आशीष दे। आमीन।

ओह, मैं कितना यीशु से प्रेम करता हूं,

211 अब बस उसकी महिमा करे। जान लो, पवित्र आत्मा यहीं पर है। यदि आप इसे नहीं पाते हैं, तो यह आपकी गलती है।

... ओह मैं यीशु से कितना प्रेम करता हूं,

"क्या तू मुझ से अधिक इन से प्रेम करता है? "

... यीशु से प्रेम,
क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया।

ओह, यीशु से कितना प्रेम करता हूं... (परमेश्वर की महिमा हो!)
ओह, मैं यीशु से कितना प्रेम करता हूं... (क्या हो यदि वह इसी क्षण आ जाये?)
ओह, मैं यीशु से कितना प्रेम करता हूं,
क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया।

मैं उसे कभी नहीं छोडूंगा,
मैं उसे कभी नहीं छोडूंगा,

मैं उसे कभी नहीं छोड़ूंगा,
क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया।

अद्भुत है, अद्भुत है, यीशु मेरे लिए,
युक्ति करने वाला, शांति का राजकुमार, सामर्थी परमेश्वर है वह;
ओह, मुझे बचाया और मुझे सारे पाप और लज्जा से बचा कर रखता है,
अद्भुत है मेरा छुड़ाने वाला, उसके नाम की महिमा...

212 अब आइये उसके लिए गाये!

अद्भुत है, अद्भुत है, यीशु मेरे लिए,
युक्ति करने वाला, शांति का राजकुमार, सामर्थी परमेश्वर है वह;
ओह, मुझे बचाया और सारे पाप और लज्जा से बचा कर रखता है,
अद्भुत है मेरा छुड़ाने वाला, उसके नाम की स्तुति करो!

213 वे सब जो अनुभव करते है, कहे, "आमीन।" [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] ओह, हाल्लेलुय्या! मैं देख रहा हूं कि अब लोग आ रहे है, पवित्र आत्मा के साथ।

एक समय मैं खोया हुआ था, अब मैं मिल गया, दोषों से स्वंतत्र हो गया,
यीशु स्वतंत्रता और पूरा उद्धार देता है;
ओह, मुझे बचाया और मुझे सारे पाप और लज्जा से बचा कर रखता है,
अद्भुत है मेरा छुड़ाने वाला, महिमा...

आइये अब हम अपने हाथ उठाये और वास्तव में महि–...

ओह, अद्भुत है, अद्भुत है, यीशु मेरे लिए,
एक युक्ति करने वाला, शांति का राजकुमार, सामर्थी परमेश्वर है वह;
ओह, मुझे बचाया और मुझे सारे पाप और लज्जा से बचा कर रखता है,
अद्भुत है मेरा छुड़ाने वाला, उसके नाम की स्तुती हो!

214 क्या आप उससे प्रेम करते हैं? ओह, अद्भुत है! लहू से भरे हुए सोते की महिमा हो, जहाँ पापी सारा भय और सारे दोषों से छूट जाते है, उसमें स्वतंत्र हो जाते हैं। हाल्लेलुय्या! ओह, यह बहुत ही शानदार है!

215 अब जबकि हम यह फिर से गाते हैं, आइए हम सारे मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, कैथोलिक, प्रेस्बिटेरियन, जो है, जब हम इसे गाते हैं, "यीशु मेरे लिए अद्भुत है," आइए घूमकर और एक दूसरे से हाथ मिलाये, आइये एक अच्छी पुरानी मुलाकात में मिलना जुलना हो। आप जानते हैं, मैं, यही है जो मैं पसंद करता हूं। आइये, इसे गाये, अब जैसा कि हम इसे करते हैं।

ओह, अद्भुत है, अद्भुत है, यीशु मेरे लिए,

216 [भाई देमोस शेकेरियन भाई ब्रन्हम से बातें करते हैं, "भाई ब्रन्हम, मुझे अभी राष्ट्रपति जॉनसन पर सन्देश मिला है, लिन्डन जॉनसन को दिल का दौरा पड़ा है, हमें उनके लिए प्रार्थना करनी चाहिए और अपने राष्ट्र के लिए।" कोई कहता है, "आइये एक मिनट रुके।"—सम्पा।

... अद्भुत है, यीशु, (यह सही बात है।)
ओह, युक्ति करने वाला, शांति का राजकुमार,

217 [भाई शेकरियन फिर से भाई ब्रन्हम से बात करते हैं, "क्षमा करें, मुझे फिर से क्षमा करें, क्या आप एक क्षण के लिए नीचे आना चाहेगे?" भाई अर्ल प्रिकेट गीत में सभा के लोगों की अगुवाई करते है, *अद्भुत है।* टेप पर खाली स्थान। सभा के लोग गाते है *वहां एक जीवन की नदी है।* टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

बाइबल ने कहा, "उनके लिए प्रार्थना करे जिनके पास अधिकार है।"

218 हमारे स्वर्गीय पिता, हम यहां व्याकुलता और आवश्यकता में खड़े है अपने राष्ट्र के अगुवे के लिए, हमारे राष्ट्रपति के लिए। प्रभु, हो सकता है वह इसे कभी ना जान पाए, परन्तु आप यह जानते हैं। मैं भाई जॉनसन के लिए प्रार्थना करता हूं, जो आप में विश्वासी होने का दावा करता हैं। और, पिता, एक हृदय का दौरा, हम समझते हैं, कि उसने उस पर प्रहार किया है। परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं, कि उसके जीवन को बचा ले। ठीक इस समय, हम एक—एक राष्ट्रीय संकट में हैं, जो भी है। और आपका आत्मा उस पर आये, प्रभु। और ठीक इसी समय, अस्पताल में या वो जहां कहीं भी हो, और आपका आत्मा नीचे उतर कर आये उस वाल्टर रीड अस्पताल पर और उसकी देह को छू ले, और उसके जीवन को बचा ले। प्रभु, वह

व्यक्ति एक दबाव में है, जो हम समझते हैं उससे कहीं अधिक। इसलिए हम प्रार्थना करते हैं, परमेश्वर, एक विश्वासियो के समान, और इस राष्ट्र के भाग होने के नाते, हम अपने अगुवे के लिए प्रार्थना करते हैं, ताकि आप उसके जीवन काल को, इस बड़ी घड़ी में बढ़ा दे, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

65–0123 टूटे हुए हौद
रमादा इन्
फोनिक्स, एरिज़ोना यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

Voice Of God Recordings, India Office
19 (New No: 28) Shenoy Road, Nungambakkam
Chennai 600 034, India
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

Voice Of God Recordings
P.O. Box 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A.
www.branham.org